आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 16 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 43

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान निरस्त

पेज-2

'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चा में कृतिका

पेज-5

नया अवसर : डीएवीवी ने फिर खोला पंजीकरण लिंक

पेज-6

बीमार स्वास्थ्य विभाग का कलेक्टर ने किया इलाज

सीएम हेल्पलाइन की लापरवाही पर सीएमएचओ को फटकारा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के स्वास्थ्य विभाग में लगता है भांग घुली पड़ी है। जब सिस्टम का मुखिया ही मनमर्जी करे तो नीचे वाले मातहतों को क्या कहिए। सोमवार को टीएल मीटिंग के दौरान एक मामला आया तो लापरवाही के पूरे तार खुल गए। पता चला है कि खुद सीएमएचओ ने ही दो साल से सीएम हेल्प लाइन का डैशबोर्ड खोलकर नहीं देखा है। ऐसे में तमतमाए कलेक्टर ने गंभीर लापरवाही के आरोप में एक अकाउंटेंट रंजीत को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। दीपमाला मोरे मानपुर के उपस्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर कार्यरत थीं। 13 मार्च 2022 को उनकी मृत्यु हो गई थी। उनके निधन के बाद पीछे पांच साल की मासूम बेटी रह गई। इसकी जिम्मेदारी मामा नीतेश मोरे उठा रहे हैं।

दरअसल दीपमाला के पति प्रताड़ना के एक मामले में जेल में हैं। ऐसे में बच्ची पूरी तरह सरकारी सहायता पर निर्भर हो गई है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने तीन साल तक उनकी सुध तक नहीं ली है।

कई आवेदन दिए, कार्यालयों के चक्कर काटे

मामा नीतेश मोरे ने बताया कि मार्च 2022 से जून 2022 के बीच प्रोत्साहन राशि के लिए कई आवेदन किए गए थे। महू, मानपुर और इंदौर के स्वास्थ्य कार्यालयों के 50 से अधिक चक्कर लगाए गए थे। इसके बावजूद हर बार सिर्फ झूठे आश्वासन ही मिले हैं। इंदौर स्वास्थ्य केंद्र में रंजीत नामक अकाउंटेंट से मुलाकात होती रही, जो हर बार करवा दूंगा कहकर टालता रहा। बाद में यह कहकर पल्ला झाड़ लिया गया कि दीपमाला की सर्विस बुक ही गुम हो गई है।

5 प्वाइंट में समझें क्या है पूरा मामला

एएनएम कार्यकर्ता दीपमाला मोरे की मृत्यु के तीन साल बाद भी प्रोत्साहन राशि नहीं मिली, स्वास्थ्य विभाग ने की

लापरवाही। कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी को कड़ी फटकार लगाई और शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अकाउंटेंट रंजीत को गंभीर लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया। नीतेश मोरे ने 50 से अधिक चक्कर लगाने और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने की बात की।

कलेक्टर ने आदेश दिया कि दीपमाला मोरे की लंबित प्रोत्साहन राशि तत्काल जारी की जाए और भविष्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

नहीं देखी सीएम हेल्पलाइन

हद तो तब हो गई जब वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। वहीं, पूरे 24 महीने तक उस शिकायत को न तो खोला गया और न ही कोई कार्रवाई की गई है।

पीड़ा सुनते ही नाराज हुए कलेक्टर

जनसुनवाई में नीतेश मोरे ने अपनी पूरी पीड़ा कलेक्टर के सामने रखी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के बारे में भी बताया। जैसे ही यह बात सामने आई, कलेक्टर ने इसे सिस्टम की विफलता बताया है।

सीएमएचओ नहीं दे पाए जवाब

सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी को तलब किया गया, तो वे किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। कलेक्टर ने तीखे शब्दों में कहा कि एक दिवंगत महिला कर्मचारी की मासूम बेटी को तीन साल तक दर-दर भटकाना अमानवीय है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि कर्तव्य से भागने का उदाहरण है।

तत्काल किया निलंबित

कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रंजीत नामक अकाउंटेंट को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। साथ ही सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। साथ ही, उन्हें शोकॉज नोटिस देने के निर्देश दिए गए हैं।

राशि जारी करने के आदेश

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि चाहे जो भी हो, दीपमाला मोरे की लंबित प्रोत्साहन राशि तत्काल जारी की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में ऐसे मामलों में लापरवाही सामने आई, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब बारी मोर्चा प्रकोष्ठ की टीम की, जल्द हो सकता है ऐलान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश भाजपा में मोर्चा-प्रकोष्ठों की टीम के साथ ही पार्टी की वृहद कार्यसमिति के गठन की कवायद शुरू हो गई है। इसके साथ ही अगले सप्ताह तक भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर सहित करीब डेढ़ दर्जन जिलों में करीब एक साल से हो रहा जिला कार्यसमिति का इंतजार भी खत्म होने की संभावना है। भाजपा नेतृत्व ने युवा, महिला और ओबीसी सहित सभी मोर्चा अध्यक्षों को सभी जिलों की फेरी लगाने का होमवर्क सौंप दिया है।

राजधानी में इस सप्ताह भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से सत्ता-संगठन के पेंडिंग

मसलों पर कई दौर की चर्चा हो चुकी है। सोमवार को शिवप्रकाश, खंडेलवाल व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा भी दिन भर बैठकों में व्यस्त रहे। संगठन के पैंडिंग मामलों को लेकर अंतिम फैसला दिसंबर अंत तक होने की संभावना है।

मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष जिलों में करेंगे ब्रांडिंग-प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने मोहन सरकार के दो साल पूरे होने पर सभी मोर्चा अध्यक्षों को जिलों में जाकर योजनाओं की ब्रांडिंग का टास्क सौंपा है। युवा, महिला, ओबीसी, एससी-एसटी मोर्चा अध्यक्ष हर जिले में पत्रकारवार्ता और जिले के नेता कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे। पूर्व पीएम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी शताब्दी समारोह के कार्यक्रम भी सौंपे गए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल अपनी टीम के पदाधिकारियों की घोषणा कर चुके हैं। अब उनकी वृहद कार्यसमिति सदस्यों के साथ ही मोर्चा-प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और उनकी जिला बॉडी का ऐलान होना बाकी है। भाजपा संगठन ने सोमवार को कटनी जिला अध्यक्ष दीपक सोनी को जिला पदाधिकारियों की सूची जारी करने की सहमति दे दी। करीब डेढ़ दर्जन जिलों में अध्यक्षों को अपनी टीम का इंतजार बना हुआ है। इनमें भोपाल, ग्वालियर सहित जबलपुर जैसे बड़े जिले भी शामिल हैं।

सिरपुर झील से जलकुंभी को हटाने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तैयार होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर अपने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त रामसर आर्द्रभूमि स्थल, सिरपुर झील की सुरक्षा के लिए प्रयास तेज कर रहा है, जो लगातार बढ़ते जलकुंभी के प्रकोप से जूझ रही है। जलकुंभी का प्रकोप बड़े पैमाने पर फैल रहा है, जिसका मुख्य कारण सीवेज का प्रवाह है। यह आक्रामक प्रजाति दो झीलों-बड़ा सिरपुर और छोटा सिरपुर-के पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता के लिए एक बड़ा खतरा है।

इंदौर नगर निगम (आईएमसी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आसपास की बड़ी बस्तियों से बहकर आने वाले अनुपचारित सीवेज के कारण छोटा सिरपुर झील का लगभग 40% हिस्सा जलकुंभी से भरा हुआ है। वहीं, बड़ा सिरपुर झील में भी इसी तरह की, हालांकि कम मात्रा में, सीवेज का बहाव हो रहा है, जो पास की बांक पंचायत से आता है। इस समस्या से निपटने के लिए, नगर निगम सिरपुर झील के पास सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर तकनीक पर आधारित एक नए 20 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के चालू होने की प्रक्रिया में तेजी ला रहा है। आईएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यह संयंत्र अगले साल फरवरी तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

एसटीपी के अलावा, आईएमसी ने पानी को शुद्ध करने और उसमें ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाने के लिए फाइटोरेमेडिएशन और एरेटर के उपयोग का भी प्रस्ताव दिया है। प्रशासन साथ ही साथ इंदौर जिला पंचायत से भी संपर्क कर रहा है ताकि बांक पंचायत से बड़ा सिरपुर में सीवेज के बहाव को रोकने के लिए एक स्थायी समाधान निकाला जा सके। इन सभी समन्वित प्रयासों का उद्देश्य सिरपुर झील को अंतरराष्ट्रीय आर्द्रभूमि का दर्जा बनाए रखने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करना है, विशेष रूप से जलकुंभी की व्यापक समस्या का समाधान करना।

न्यूज ब्रीफ

- बागपत : तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार हिंडन नदी में गिरी, सिपाही समेत 2 की मौत
- दक्षिण कश्मीर के शोपियां और कुलगाम में सीआईके की छापेमारी, कई ठिकानों पर कार्रवाई
- वाराणसी से 50 हजार का इनामी नक्सली गिरफ्तार, 13 साल से था फरार
- दिल्ली के जाफराबाद में दो भाइयों की गोली मारकर हत्या, 40 राउंड फायरिंग
- मथुरा : यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे में टकराए कई वाहन, 6 बस और 2 कार में लगी आग, कई की मौत
- मैक्सिको में प्राइवेट विमान दुर्घटनाग्रस्त, सात लोगों की मौत
- हल्द्वानी अतिक्रमण मामले में 2022 बेदखली आदेश को चुनौती पर एससी में आज सुनवाई संभव
- नेशनल हेराल्ड केस में आज फैसला सुना सकती है दिल्ली की अदालत
- आज सामने आएगा पश्चिम बंगाल एसआईआर का ड्राफ्ट रोल
- पाकिस्तान के कराची और बलूचिस्तान के कई हिस्सों में आया 5 तीव्रता का भूकंप

विशेष सत्र को लेकर कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज शाम को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के 74 बंगला स्थित आवास पर होगी। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष सिंघार करेंगे। बैठक में बुधवार को होने वाले मप्र विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र को लेकर रणनीति तैयार होगी। विशेष सत्र में 'मप्र को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने' के विषय पर विस्तृत चर्चा प्रस्तावित है। बैठक में प्रदेश की आर्थिक स्थिति, किसानों, युवाओं, महिलाओं, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ विकास की वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा होगी। साथ ही सरकार की नीतियों की समीक्षा करते हुए विशेष सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप दिया जाएगा। सिंघार ने कहा कि प्रदेश को वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए खोखले नारों की नहीं, ठोस नीतियों और ईमानदार राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। विशेष सत्र केवल औपचारिकता न बने, बल्कि इसमें किसानों की आय, युवाओं के रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, आदिवासी-दलित समाज के अधिकार और प्रदेश की बदहाल आर्थिक स्थिति पर गंभीर चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस विधायक दल इस विशेष सत्र में जनता की वास्तविक समस्याओं और प्रदेश के भविष्य की ठोस रूपरेखा को मजबूती से रखेगा।

ट्रैफिक जाम से नाराज जनता ने ही सिंगापुर अंडरपास का कर दिया उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तलावलीचंदा स्थित सिंगापुर टाउनशिप के दूसरे अंडरपास के उद्घाटन में लगातार हो रही देरी और रोजाना लगने वाले ट्रैफिक जाम से परेशान होकर वाहन चालकों का सब्र जवाब दे गया। सोमवार सुबह फिर से जाम की स्थिति बनी तो आसपास के वाहन चालकों ने नए बने दूसरे अंडरपास को खुद ही खोलकर वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी।

स्थानीय रहवासियों के अनुसार अंडरपास का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन प्रशासनिक उद्घाटन की प्रक्रिया के कारण इसे चालू नहीं किया जा रहा था। 13 दिसंबर को केबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक तुलसी सिलावट द्वारा उद्घाटन

प्रस्तावित था, लेकिन समय नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। सोमवार सुबह सफाईकर्मी दूसरे अंडरपास की सफाई के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ वाहन चालकों ने वहां लगी चादर हटाकर सबसे पहले दोपहिया और फिर चारपहिया वाहन निकालना शुरू कर दिया।

शेष बचे 16 दिन... साल 2025 की यादें होगी ताजा 'दैनिक इंदौर संकेत' के साथ

इंदौर ● 15 सितंबर 2025 की वह शाम इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र के नागरिक कभी नहीं भूलेंगे, जब एक बेकाबू ट्रक एयरपोर्ट रोड से अंधाधुंध गति से चलता हुआ बड़ा गणपति चौराहे तक रास्ते में आए दो पहिया वाहन और तीन पहिया वाहनों को अपनी चपेट में लेते हुए पहुंचा। बड़ा गणपति चौराहे पर एक पुलिसकर्मी के साहस के चलते ट्रक को रोका गया।

विवादित बयान देकर फिर पलटे मंत्री

भाजपा संगठन ने किया विजय शाह को तलब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र की राजनीति में अपने विवादित और बेतुके बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में रहने वाले कैबिनेट मंत्री विजय शाह एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार उनका बयान लाड़ली बहना योजना से जुड़ा है। उन्होंने योजना की महिला लाभार्थियों के संदर्भ में धमकी भरा बयान दिया, जिसके बाद उनकी तीखी आलोचना हो रही है। अब मंत्री शाह ने अपने बयान से पलटी मार ली है। उन्होंने इसे तोड़-मरोडकर पेश किया गया बताया है और स्पष्ट किया है कि उनकी मंशा सिर्फ अपात्र लाभार्थियों की ओर इशारा करना था, न कि किसी को धमकाना। लाड़ली बहनों के लिए मेरे दिल में कोई दुर्भावना नहीं है।

गौरतलब है कि मंत्री विजय शाह अक्सर विवादित बयान देकर राजनीति को गरमाते रहते हैं। इस बार लाड़ली बहनों पर विवादित बयान

देकर उन्होंने माहौल गरमा दिया है। भाजपा में प्रदेश संगठन की पूछताछ के बाद उन्होंने सफाई में बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाला बताया। शाह ने कहा, लाड़ली बहना को लेकर उन्होंने यह बात बैठक के बाद अनौपचारिक रूप से कही थी, जो अपात्र होने के बावजूद लाड़ली बहना योजना का लाभ ले रही हैं। शाह ने कहा कि मेरे बयान को तोड़-मरोडकर पेश किया गया है। बयान को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक बातों का मैं खंडन करता हूं। शाह ने कहा कि उनके दिल में लाड़ली बहनों को लेकर किसी तरह की दुर्भावना नहीं हैं। शाह के विवादित बयानों से भाजपा संगठन और सरकार दोनों को बार-बार असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर भाजपा संगठन में विचार चल रहा है। पार्टी शाह को तलब कर उन्हें फिर से चेतावनी जारी कर सकती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का कहना है कि पार्टी ने यह मामला संज्ञान में लिया है। उन्होंने अपनी तरफ से सफाई तो दे दी है, लेकिन संगठन के स्तर पर उनसे बात की गई है।

न्यूज ब्रीफ

नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन 27 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ द्वारा नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर शनिवार, 27 दिसम्बर को पशु चिकित्सालय, राजमोहल्ला पर प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जायेगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस शिविर का लाभ उठायें।

सनफीस्ट मॉम्स मैजिक ने पेश किए घीरोस्टेड नट्स कुकीज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कुछ खुशबूएँ केवल कमरे को नहीं महकाती है बल्कि आपके दिल पर एक गहरी छाप छोड़ देती हैं। मेवों और गर्म घी का मिलन भी कुछ ऐसी ही यादें छोड़ जाता है। यह भारतीय घरों में एक गतिमान याद की तरह फैलती है, जो बताती है कि प्यार, उत्साह और परंपरा के साथ कुछ अनोखा बनाया जा रहा है, जो सिर्फ एक माँ ही बना सकती है। भारतीय किचन के इस कभी न भूलने वाले पल को ही सनफीस्ट ने अपनी नई पेशकश मॉम्स मैजिक घी रोस्टेड नट्स कुकीज़ का आधार बनाया है। इस लॉन्च के साथ, ब्रांड ग्राहकों को घी-रोस्टेड नट्स कुकीज़ के बेहतरीन स्वाद का फिर से आनंद उठाने के लिए आमंत्रित कर रहा है काजू और बादाम से ठीक उसी तरह बनाया गया है जैसे एक माँ बनाती है।

इंदौर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान निरस्त, सुबह आए मैसेज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अभी तक इंदौर से इंडिगो की उड़ानें ही निरस्त हो रही थीं, लेकिन अब एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान भी निरस्त हो गई। यात्रियों को पहले उड़ान में देरी के मैसेज आए। फिर अचानक उड़ान निरस्त होने की सूचना दी गई। इससे यात्री परेशान हो गए। कुछ यात्रियों ने एयरपोर्ट पर विरोध जताया और एयरलाइंस के अफसरों से बहस भी की। जिन यात्रियों को दिल्ली से कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ना थी, उन्हें दूसरी एयरलाइंस के महंगे टिकट खरीदना पड़े या फिर बस या ट्रेन से दिल्ली जाने की व्यवस्था करना पड़ी। यात्रियों को यह भी नहीं बताया गया कि उड़ान किस कारण निरस्त की जा रही है। एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान सुबह सवा सात बजे दिल्ली से इंदौर आती है और आठ बजे दिल्ली के लिए जाती है। इस उड़ान में टिकट बुक करा चुके यात्रियों को सुबह मैसेज आए कि आठ बजे जाने वाली उड़ान एक घंटे लेट और 9 बजे रवाना होगी। यात्री उसके हिसाब से एयरपोर्ट पहुंचे, लेकिन 9 बजे अचानक उड़ान निरस्त करने की घोषणा कर दी गई और यात्रियों को टिकट के पैसे रिफंड करने के बारे में अफसर कहते नजर आए। टिकट ले चुके यात्री नाराज हो गए, क्योंकि उड़ान निरस्त होने की जानकारी समय पर नहीं मिली।

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में लापरवाही मिलने पर शोकाज नोटिस जारी

दिए दिशा निर्देश : जो विभाग शिकायतों के समाधान में पीछे हैं, वे तत्काल सुधार लाएं

कलेक्टर वर्मा की अध्यक्षता में बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा ने सभी विभागों को चेताया कि जो विभाग शिकायतों के समाधान में पीछे हैं, वे तत्काल सुधार लाएं। उन्होंने बताया कि समय-सीमा से पुराने प्रकरणों का रेंडम चयन कर शिकायतकर्ताओं से सीधे बात की जा रही है, और विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को बिना परेशानी समय पर समाधान मिले, यह हमारी निरंतर मॉनिटरिंग का हिस्सा है। लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में इंदौर कलेक्टर कार्यालय में समय सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण और अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शासकीय योजनाओं का

लाभसमय पर आमजन को मिले और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का सुचारू निराकरण हो, यह जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सभी अधिकारी इस दिशा में पूर्ण गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ तेजी से कार्य करें। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की विभागीयवार समीक्षा की। उन्होंने रैण्डम रूप से लंबित प्रकरणों के आवेदकों से रूबरू चर्चा कर उनका निराकरण सुनिश्चित किया। उन्होंने आवेदक रितेश मोरे से चर्चा की। मोरे ने बताया कि उनकी बहन का निधन हो गया है, वह स्वास्थ्य विभाग की कर्मचारी थी। लंबे समय से उनके बकाये का भुगतान स्वास्थ्य विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है। बताया गया कि कुछ औपचारिकताएं शेष रहने से भुगतान नहीं हुआ है। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि औपचारिकताएं पूर्ण कराना हमारा दायित्व है। प्रकरण में लापरवाही मिलने पर लेखापाल को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि अगले सात दिन में औपचारिकताएं पूर्ण कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसी तरह उन्होंने तीन अन्य प्रकरणों की भी समीक्षा कर अगले सात दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया।

गोवंश को बढ़ाने हेतु कृत्रिम गर्भाधान के लिए जागरूक करें

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान के द्वितीय चरण के क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर सभागृह में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान को निश्चित समय में संपादित करें। पशु पालकों से सतत सम्पर्क करें और उन्हें पशुओं के नश्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर व्यापक रूप से जागरूक करें। पशुपालकों को उन्नत नस्ल के गौवंश को बढ़ावा देने के लिए गोवंश को कृत्रिम गर्भाधान के लिए अधिक से अधिक प्रेरित करें। पशुओं का टीकाकरण समयसीमा में हो। दुधारू पशुओं द्वारा दुग्ध उत्पादन की मात्रा 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करें। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि राज्य शासन द्वारा शुरू की गई भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। यह योजना पशु पालन को बढ़ावा देने के लिये है, जिसका पंजीयन ऑनलाईन होता है।

एसआईआर की प्रगति पर चर्चा की गई

कलेक्टर वर्मा ने एसआईआर की प्रगति पर चर्चा करते हुए स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया अभी समाप्ति की ओर नहीं है, दावा-आपत्ति की विस्तृत सुनवाई शेष है। इस कार्य के चलते उन्होंने सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने मूल राजस्व कार्यों में भी किसी प्रकार का विलंब न होने दें और सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, अपर कलेक्टर रोशन राय तथा रिंकेश वैश्य सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकथाम के लिए विभाग तैयार कर रहा बाल सेना

बाल विवाह रोकथाम के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जा रहा है जागरूक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बाल सेना के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग जिले को बाल विवाह मुक्त करने के प्रयास में जुट गया है। स्कूली छात्र-छात्राओं को अधिनियम की जानकारी देने के साथ ही बाल विवाह रोकने और उसमें शामिल नहीं होने की शपथ दिलाई जा रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा बनाई गई बाल विवाह मुक्त भारत की कार्य योजना के अनुसार कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर विभाग के द्वारा जिले में स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। दल निरंतर अलग-अलग स्कूलों में जाकर बच्चों को अधिनियम की जानकारी देने के साथ बाल विवाह में शामिल नहीं होने की शपथ भी दिला रहा है। सांदीपनी स्कूल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुसाखेड़ी में संस्था अरमान बाल अधिकार ट्रस्ट के सहयोग से बाल विवाह जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला बाल कल्याण समिति अध्यक्ष धर्मेंद्र पंड्या ने बाल विवाह से जीवन में होने वाले दुष्परिणाम एवं उससे बच्चों के अधिकारों का किस प्रकार से हनन होता हैं और बच्चे बाल कल्याण समिति से किस प्रकार एवं कौन सी मदद ले सकते हैं, इस विषय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समिति बच्चों के अधिकारों को लेकर काम करती है, इसके लिए उन्हें किसी भी माध्यम से सूचना दी जा सकती है। शादी के बाद सबसे पहले शिक्षा का अधिकार समाप्त हो जाता है। इसलिए पढ़ाई पूरी होने के बाद ही शादी होना चाहिए। छात्र छात्राओं को बाल विवाह अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी बाल विवाह विरोधी उड़नदस्ता के जिला प्रभारी श्री महेंद्र पाठक ने दी। चाइल्ड हेल्पलाइन से फूलसिंह ने बताया की चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायतकर्ता की जानकारी पूर्ण रूप से गोपनीय रखी जाती है और सूचना देने पर टीम 60 मिनट में बच्चों की मदद के लिए पहुंचती है। कार्यशाला में उड़नदस्ता सदस्य देवेन्द्र कुमार पाठक, शैलेष शर्मा, संस्था के अमन नादुरकर, उन्नति विश्वकर्मा और विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। प्राचार्य एसएस मौर्या ने आभार माना।

15 दिन में अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट कराने के दिए निर्देश

इंदौर में औद्योगिक सुरक्षा को लेकर कलेक्टर वर्मा ने ली महत्वपूर्ण बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों के सुदृढ़ पालन और दुर्घटनाओं की रोकथाम को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर कार्यालय इंदौर में सोमवार को कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जोनल सेफ्टी काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों को और मजबूत बनाने हेतु कई अहम निर्देश जारी किए गए। बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय, उप संचालक औद्योगिक सुरक्षा हर्ष चतुर्वेदी, जिला प्रशासन के अधिकारी, औद्योगिक सुरक्षा अधिकारी, नगर निगम की फायर टीम के अधिकारी तथा मेजर हैजर्ड श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों के संचालक उपस्थित रहे।

कलेक्टर वर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि जहां सुरक्षा उपायों में कमी पाई जाएगी, वहां कारखानों को सुधार के लिए समय दिया जाएगा। निर्धारित समय-सीमा में कमियां दूर न करने पर संबंधित कारखानों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक का उद्देश्य औद्योगिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले में एक सुरक्षित और उत्तरदायी कार्य वातावरण सुनिश्चित करना रहा। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक इकाइयों को 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से सुरक्षा ऑडिट कराना होगा। सुरक्षा मानकों एवं मापदंडों का पालन न करने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के लिए संयुक्त दल गठित किए जाएंगे, जो सभी इकाइयों का फील्ड इंस्पेक्शन कर सुरक्षा उपायों का परीक्षण करेंगे। घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए रिस्पांस दल भी बनाए जाएंगे। जिले की सभी औद्योगिक इकाइयों के लिए सुरक्षा संबंधी मार्गदर्शक निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिनका पालन अनिवार्य होगा।

असुरक्षित की सील

कलेक्टर वर्मा ने बताया कि हाल ही में विभिन्न स्थानों से स्प्रेड पॉइंट और अन्य सुरक्षा संबंधित कमियां सामने आई हैं, जिससे कई दुर्घटनाएं भी हुई हैं। इसी संदर्भ में प्रशासन द्वारा अनसेफ मानी गई फैक्ट्रियों को सील किया जा रहा है। सुरक्षा मानकों का बार-बार उल्लंघन करने वाली इकाइयों को बंद करने की कार्रवाई जारी है। कई इकाइयों को सुधार के लिए अवसर भी दिए गए, ताकि वे फायर सेफ्टी, इमरजेंसी मैनेजमेंट और केमिकल हैंडलिंग की मानक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर सकें। जिले की सभी औद्योगिक इकाइयों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। इसी क्रम में व्यापक जांच अभियान शुरू किया जा रहा है।

31 दिसंबर को रात 11 बजे तक ही दर्शन : दो पेटियों की गिनती अब भी बाकी

खजराना मंदिर की दानपेटियों से निकले अब तक 1.67 करोड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खजराना गणेश मंदिर में दानपेटियों को खोलकर दान राशि की गिनती का कार्य जारी है। 7 दिसंबर से शुरू हुई इस प्रक्रिया में अब तक श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित 1 करोड़ 67 लाख रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। जबकि दो अन्य दानपेटियों की गिनती अभी शेष है। मंदिर परिसर में ही राशि की गिनती कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी में किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धा व क्षमता के अनुसार दान अर्पित करते हैं। परंपरा के अनुसार वर्ष में तीन बार दानपेटियां खोली जाती हैं। इस बार करीब तीन माह बाद दानपेटियां खोली गई हैं, जिनकी गिनती लगातार की जा रही है।

आभूषण, विदेशी करंसी भी मिली: दानपेटियों से नकद राशि के अलावा सोने - चांदी के आभूषण, विदेशी करेंसी और कई श्रद्धालुओं के पत्र भी प्राप्त हुए हैं। मंदिर समिति के अनुसार अब तक प्राप्त दान राशि को बैंक में जमा करा दिया गया है। संभावना है कि जल्द ही राशि गिनती का कार्य पूर्ण हो जाएगा, जिसके बाद अंतिम आंकड़ा सामने आएगा।

31 दिसंबर को रात 11 बजे तक ही दर्शन : खजराना गणेश मंदिर में नव वर्ष एवं तिल चतुर्थी महोत्सव को लेकर भी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। नववर्ष की पूर्व संध्या और प्रथम दिन बड़ी संख्या में होने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। आगामी जनवरी में आयोजित होने वाले तिल चतुर्थी महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सात दिवसीय मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

नववर्ष और तिल चतुर्थी मेले को लेकर चर्चा हुई-गत दिनों कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में नववर्ष और तिल चतुर्थी मेले को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान कलेक्टर ने भीड़ प्रबंधन, पेयजल, पार्किंग, स्वच्छता और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्था समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। नव वर्ष पर मंदिर में विशेष श्रृंगार, आकर्षक विद्युत सजावट और फूलों से अलंकरण किया जाएगा। 31 दिसंबर को रात 11 बजे तक ही दर्शन के लिए प्रवेश रहेगा, जबकि 1 जनवरी को सुबह 4 बजे से पुन: दर्शन प्रारंभ होंगे। 6 जनवरी से आरंभ होने वाले तिल चतुर्थी महोत्सव में सवा लाख लड्डुओं का विशेष भोग, ध्वजा पूजन और भव्य सजावट प्रमुख आकर्षण रहेंगे। बैठक के बाद कलेक्टर ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर मास्टर प्लान को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश भी दिए।

इंदौर में रहता है फिल्म शोले के 'हरिराम' का परिवार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पचास साल पहले बनी फिल्म शोले फिर से मल्टीप्लेक्स और छबिगृहों रिलीज होने के कारण चर्चा में है। इस फिल्म में असली क्लाइमैक्स जोड़ा गया है। शोले फिल्म के ज्यादातर किरदार पचास साल के बाद भी दर्शकों की यादों में बसे है। इस फिल्म की कहानी सलीम-जावेद ने लिखी थी।

जावेद खान इंदौर से ही किस्मत आजमाने मुंबई गई थे, लेकिन इस फिल्म के कुछ किरदार और उनके नाम सलीम ने असली जिंदगी से मिलते-जुलते लिए है। धर्मेंद्र और अमिताभ जब जेल में बंद होते है तो जेलर के साथ हरिराम के किरदार को दिखाया है, जो कैदियों व अफसरों की शेविंग करता है। हरिराम इंदौर के रहने वाले है और उनकी पलासिया कटिंग की दुकान थी। सलीम अक्सर उनसे बालों की कटिंग कराने जाते थे। हरिराम तो अब इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनके बेटे नेमीचंद आमेरिया की दुकान अभी भी पलासिया में है।

चॉकलेट का लालच देकर करता था मासूमों का शिकार, दरिंदे को सुनाई दोहरी उम्र कैद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी ने नाबालिगों के साथ अत्यंत गंभीर और घृणित अपराध किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम दंड देना न्यायोचित नहीं है। इसी आधार पर आरोपी को दोहरे आजीवन कारावास से दंडित किया गया। इस मामले में पीड़ित बच्चियों के बयान, उनके माता-पिता की गवाही और फॉरेंसिक साक्ष्य अदालत के लिए निर्णायक साबित हुए।

जिला न्यायालय ने मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म और अश्लील कृत्य करने के एक मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी 52 वर्षीय किराना दुकानदार है जो अपनी दुकान पर आने वाली बच्चियों को चॉकलेट देने के बहाने बुलाकर उनके साथ आपराधिक कृत्य करता था। अदालत ने एक 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और 12 वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करने का अपराध सिद्ध पाए जाने पर यह सजा सुनाई।

न्यायालय ने अपने फैसले में कहा-कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी ने नाबालिगों के साथ अत्यंत गंभीर और घृणित अपराध किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम दंड देना न्यायोचित नहीं है। इसी आधार पर आरोपी को दोहरे आजीवन कारावास से दंडित किया गया। इस मामले में पीड़ित बच्चियों के बयान, उनके माता-पिता की गवाही और फोरेंसिक साक्ष्य अदालत के लिए निर्णायक साबित हुए।

ऐसे सामने आया मामला: मामला शहर के पूर्वी क्षेत्र का है। 4 नवंबर 2023 को एक 12 वर्षीय बच्ची की मां थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। महिला ने पुलिस को बताया कि शाम करीब 6 बजे पड़ोस में रहने वाली एक बच्ची उसके घर आई और बताया कि पास की किराना दुकान पर जाने के दौरान दुकानदार ने उसकी बेटी के साथ गलत तरीके से छेड़छाड़ की है।

मगरखेड़ी विद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण तारामंडल एवं वेधशाला उज्जैन में समझा प्राचीनकालीन यंत्रो का विज्ञान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर शासकीय माध्यमिक विद्यालय मगरखेड़ी के विद्यार्थियों ने आज 'आसपास की खोज' यात्रा के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण उज्जैन जिला स्थित शासकीय जीवाजी वेधशाला पहुंचे यह पर बच्चों को विभिन्न प्राचीन काल गणना के यंत्रो की जानकारी दी गई जैसे शंकु यंत्र ,सम्राट यन्त्र,दिग्श यन्त्र, वैदिक घड़ी कार्यप्रणाली बताई गई इसके साथ ही सौरमण्डल वाटिका की प्रति आकृति में सौरमण्डल के रहस्यों की जानकारी दी जिसमे बच्चों को विशेष आनन्द आया। उज्जैन

तारामंडल में जाकर ब्रह्मांड के रहस्यों को थ्रीडी वीडियो शो के माध्यम से देखा इसके साथ बच्चों ने श्री कृष्ण भगवान की अध्ययन स्थली सांदीपनी आश्रम का भ्रमण कर प्राचीन धार्मिक विरासत को समझा तारामंडल व चकोर पार्क में मनोरंजन व आनन्द उठाया इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों के सामान्य ज्ञान में अभिवृद्धि होती है। उनको अपने आसपास के वातावरण की समझ विकसित होती है। बच्चों के साथ सहयोगी शिक्षक श्री सुभाष शर्मा, राजेन्द्र चौधरी, महेन्द्र सिंह भाटी, शंकरलाल राठौर, गुंजन मीणा आदि उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, मंगलवार 16 दिसंबर 2025

बीआरटीएस - रात में वकीलों की कमेटी ने किया निरीक्षण
एक्यूआई चेक कर मलबा, पिलर्स और कचरा हटाने के दिए निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बीआरटीएसतोड़ने को लेकर हो रही देरी के मामले में 16 दिसंबर को हाई कोर्ट में सुनवाई होगी। इसमें इसकी निगरानी के लिए गठित कमेटी कोर्ट में रिपोर्ट पेश करेगी। इसके पूर्व 6 सदस्यीय कमेटी के सदस्यों ने सोमवार रात बीआरटीएस का निरीक्षण किया। कमेटी अभी भी मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं है।

एक्यूआई चेक कर मलबा हटाने के दिए निर्देश

कमेटी ने सोमवार रात को राजीव गांधी से पलासिया तक निरीक्षण किया। इस दौरान पाया कि अभी इंदौर का एक्यूआई 200 है। इस पर कमेटी ने वहां पड़ा मलबा, पिलर्स और वेस्ट सीमेंट को हटाने के लिए कहा है। साथ ही यह भी कहा...

रैलिंग के यहां साइन बोर्ड नहीं है इसलिए रेड प्लैग लगाए जाए ताकि हादसे न हो। जीपीओ से शिवाजी वाटिका तक बेरिकेडिंग पास-पास है, इसे दूर-दूर लगवाएं। तोड़ने के बाद सड़क पर पेचवर्क जीरो क्वालिटी का और ऊपर-नीचे है। ऐसे में गाड़ियां गिर सकती हैं। कमेटी ने नगर निगम के अधिकारियों को इससे अवगत कराया है। कमेटी को एग्रीमेंट नहीं दिया कि क्या एग्रीमेंट किया है, जो तोड़ रहे हैं, कहां, कितना तोड़ना है। वाहन चालक बेरिकेडिंग को लेकर परेशान हो रहे हैं।

हाईकोर्ट ने बनाई थी कमेटी

- 1 दिसंबर को सुनवाई के दौरान बीआरटीएस तोड़ने का पूरा काम तीन माह में पूरा होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन एक लेन की रैलिंग का काम 15 दिन में पूरा करने का आश्वासन दिया गया। इस पर कोर्ट ने एक मॉनिटरिंग कमेटी बना दी।
- इस कमेटी में एडवोकेट गिरीश पटवर्धन, एनएस भाटी, कौस्तुभ पाठक, अजयराज गुप्ता, प्रद्युम्न किबे और जय शर्मा को लिया गया है। यह कमेटी बीआरटीएस रिमूवल कार्रवाई की रिपोर्ट 16 दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर कोर्ट के समक्ष पेश करेगी।
- पिछली सुनवाई में जस्टिस विजयकुमार शुक्ला एवं जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की डिवीजन बेंच ने यह भी निर्देश दिए थे कि अगली सुनवाई पर कलेक्टर और निगम कमिश्नर के साथ डीसीपी ट्रैफिक भी व्यक्तिगत रूप से हाजिर रहें। इसके चलते इन सभी को आज कोर्ट में उपस्थित होना है।

न्यूज ब्रीफ

श्री दिगंबर जैन तेरापंथी मंदिर में श्री चंद्रप्रभ भगवान का किया अभिषेक, चढ़ाई ध्वजा

इंदौर • शक्कर बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन तेरापंथी मंदिर में वार्षिक उत्सव पर अति प्राचीन, मनोहारी, प्राकृतिक स्फटिक मणि की भारत वर्ष की सबसे बड़ी श्री चंद्रप्रभ भगवान की प्रतिमाजी का अभिषेक किया और मन्दिर जी के शिखर पर ध्वजा चढ़ाई । अध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने बताया कि बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर धर्म लाभ लिया. प्रथम कलश एवं मुख्य ध्वजा चढ़ाने का सौभाग्य तेजकुमार ललितकुमार बड़जात्या गौरव ज्वैलर्स ने प्राप्त किया. ललित चिराग गोधा परिवार, चौधरी परिवार, प्रांजल जैन, जैन मेडिकल, नितिन सेठी, सत्येंद्र रावका आदि ने भी इस अवसर पर पुण्य लाभ कमाया । इस अवसर पर दो दिवसीय आयोजन मे श्री चंद्रप्रभ विधान, श्री पार्श्वनाथ विधान एवं भक्तामर पाठ संपन्न हुए।

कारोबारी संस्थाएं भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे आएं -सीएम डॉ. यादव

इंदौर • इंदौर में व्यापारिक संगठनों ने शिक्षा के क्षेत्र में भी अनेक गौरवशाली कीर्तिमान बनाए हैं। सराफा विद्या निकेतन जैसी शिक्षण संस्था के 50 वर्ष पूरे होना एक यशस्वी उपलब्धि है। मुझे प्रसन्नता हो रही है कि सराफा विद्या निकेतन का स्वर्ण जयंती समारोह हो रहा है। समाज एवं कारोबार से जुड़ी संस्थाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे आने की जरूरत है, तभी हम प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक ऊँचाइयों पर पहुंचा सकेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को अपने इंदौर प्रवास के दौरान सराफा विद्या निकेतन एमओजी लाइन्स, नालंदा परिसर एवं गुमास्ता नगर की संयुक्त विद्यालयीन पत्रिका 'स्वर्ण कलश' के लोकार्पण समारोह में उक्त प्रेरक बातें कही और इंदौर चांदी सोना जवाहरात तौल कांटा पारमार्थिक ट्रस्ट, एवं सराफा विद्या निकेतन के अध्यक्ष महेंद्र पाटीदार, सचिव अजय नीमा, अध्यक्ष हुकम सोनी श्रीमती अंकिता मिश्रा आदि को विद्यालय के सफल संचालन और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं व्यक्त की।

अनिका के लिए राजबाड़ा पर जुटे लोग, जन्मदिन पर मां अहिल्या की प्रतिमा तक लेकर पहुंचे माता-पिता लिया आशीर्वाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • दुर्लभ बीमारी एसएमए (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) टाइप-2 से जूझ रही इंदौर की ढाई साल की मासूम अनिका का आज जन्मदिन है। इस मौके पर मासूम अनिका को उसके माता-पिता गोद में लेकर मां अहिल्या की प्रतिमा तक पहुंचे और उसके तीसरे जन्मदिन पर मदद और स्वस्थ होने का आशीर्वाद मांगा। राजबाड़ा चौराहे पर ही अनिका ने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। मासूम अनिका के माता-पिता ने केक काटकर उसका जन्मदिन मनाने के साथ लोगों से मदद की अपील की। इस दौरान मां सरिता केक काटने के दौरान रोने लगी। लोगों द्वारा मदद का सिलसिला शुरू हो गया। आसपास से गुजर रहे लोगों ने ?100 से लेकर ?500 तक की मदद की। इस दौरान 60 फीट व्यापारी एसोसिएशन द्वारा 53000 नगद के रूप में मदद की गई द्य यह राशि व्यापारियों ने दो दिन में एकत्र की थी। इसी तरह बीपी चाइल्ड पब्लिक स्कूल द्वारा एक बंद बॉक्स में राशि एकत्र कर दी गई। आसपास के फुटकर विक्रेताओं ने केक लाकर उसका जन्मदिन मनाया और खिलौने गिफ्ट दिए।

इसके अलावा नेताओं, राजनेताओं और शहरवासियों ने अनिका के लिए मदद की अपील भी की है। शाम साढ़े 4 बजे राजबाड़ा पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। इसके बाद मां अहिल्या के प्रतिमा पर अनिका को ले

जाया गया। राजबाड़ा में ही ऑटो के द्वारा लाउडस्पीकर के सहारे भी लोगों से आर्थिक मदद की अपील की जा रही है। अनिका के लिए फिल्म एक्टर सोनू सूद और बिग बॉस को आवाज देने वाले प्रवीण सिंह भी अपील कर चुके हैं। वहीं सिंगर पलक मुछाल ने भी अनिका के लिए अपील की है। दरअसल मासूम को इस बीमारी से बचाने के लिए अमेरिका से 9 करोड़ रुपए का इंजेक्शन मंगवाना जरूरी है। माता-पिता बेटी की जान बचाने के लिए क्राउड फंडिंग के जरिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। अब तक करीब सवा दो करोड़ रुपए जुटाए जा चुके हैं, लेकिन अभी काफी फंड जुटाया जाना है।

स्कूल में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित बच्चों को दिलाई गई शपथ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत के रामेश्वरम जिला अंतर्गत वीर तेजाजी प्रखंड द्वारा आस्था पब्लिक स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता इंदौर विभाग संयोजिका आदरणीय संध्या दीदी सोनी रहीं। अपने संबोधन में संध्या दीदी ने कहा कि नशा आज की आने वाली पीढ़ी और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। नशे के कारण बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है, जिससे समाज और राष्ट्र दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी और इससे बचने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संध्या दीदी ने 'लव जिहाद' विषय पर भी जानकारी देते हुए इसके स्वरूप और इससे सतर्क रहने के तरीकों को समझाया। साथ ही उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आह्वान किया और सभी से स्वदेशी अपनाने की शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम में जिला संयोजिका गायत्री वर्मा, आस्था पब्लिक स्कूल की प्राचार्य दीपा दीदी तोमर, रविन्द्र धाकड़, अजय बड़ोंले एवं हितेंद्र पट्टा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में संध्या दीदी द्वारा सभी विद्यार्थियों और उपस्थितजनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

टेरेस गार्डन पर कॉफ़ी टेबल बुक के लोकार्पण में अपने माली और सहायक को भी अतिथि बनाया बंसल ने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर के पुष्प एवं पर्यावरण प्रेमी महेश बंसल ने अपने मनीष बाग स्थित निवास 'आशादीप' की छत पर संजोए गए टेरेस गार्डन पर आधारित विश्व की पहली कॉफ़ी टेबल बुक 'पुष्प-गंगा' के लोकार्पण समारोह में अपने माली बब्बू भैया और सहयोगी लोकेश कुमार को भी विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आमंत्रित कर मुख्य अतिथि आदिम जाति कल्याण विभाग के इंदौर एवं उज्जैन संभाग के डिप्टी कमिश्नर एवं पर्यावरणविद ब्रजेश चंद्र पाण्डेय एवं अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन, लोकार्पण एवं अतिथि स्वागत में भागीदार बनाकर नींव के पत्थर की तरह सम्मान देने का अनूठा संयोजन किया। निपानिया स्थित एक होटल के सभागृह में आयोजित इस लोकार्पण समारोह में चित्रकार पंकज अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी एवं लेखक अशोक जोशी भी अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जिन्होंने 128 पृष्ठों की इस पुस्तक में 101 फूलों के 325 चित्रों का प्रकाशन कर उनकी सुन्दरता का वर्णन भी किया है। प्रारंभ में लेखक महेश बंसल की दिनचर्या और टेरेस गार्डन पर आधारित लघु फिल्म 'पुष्प पथिक' का प्रदर्शन कर उपस्थित मेहमानों को पुस्तक के प्रत्येक पन्नों को स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया।

नर्मदा पाइपलाइन फूटने से खेत बने तालाब, किसानों की फसलें तबाह – जिम्मेदार अधिकारी नदारद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देपालपुर तहसील के अंतर्गत ग्राम नेवरी में नर्मदा मालवा लिंक परियोजना की मुख्य पाइपलाइन फूट जाने से स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। बीते दो दिनों से लगातार भारी मात्रा में पानी बह रहा है, जिससे आसपास के किसानों के खेत तालाब में तब्दील हो चुके हैं। इस लापरवाही के कारण कई किसानों की खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यूरिया की भारी किल्लत | **देपालपुर-इंगोरिया मार्ग पर किसानों ने किया चक्का जाम**

खाद को लेकर किसानों का गुस्सा फूटा

निलेश चौहान (94250-77209)

गौतमपुरा • दैनिक इंदौर संकेत

सरकारी दावों के विपरीत गौतमपुरा और आसपास के ग्रामीण इलाकों में खाद संकट गहराता जा रहा है । मेंढकवास मोड़ मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्या. गौतमपुरा केंद्र क्रमांक 073 पर यूरिया खाद की भारी किल्लत के चलते सोमवार को हालात विस्फोटक हो गए । सैकड़ों किसानों ने वेयरहाउस पर हंगामा किया और आक्रोशित किसानों में इंदौर-इंगोरिया मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया ओर प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया । चक्का जाम के दौरान पुलिस प्रशासन ने तुरंत ही स्थिति संभालने का प्रयास किया किसानों को सड़क से हटाने के लिए पुलिस को हाथ पकड़कर उठाना पड़ा, वही शासन- प्रशासन की समझाईश पर आधे घंटे में किसान मुख्य मार्ग से तो हट गए परन्तु आक्रोशीत किसानों ने वियर हाउस पर पहुंच कर जमकर नारे बाजी की कुछ समय पश्चात किसानों को सरकारी गोडाउन पर लाइन में लगाया गया । इधर किसान रवि धाकड़ छड़ौदा का कहना यह हे कि जहां एक ओर सरकारी केंद्र पर किसान दिन-रात लाइन में खड़े होकर भी खाद के लिए तरस रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार की निजी दुकानों यूरिया डबल भाव में आसानी से उपलब्ध हों रहा हे, निजी दुकानों पर यूरिया की पूरी-पूरी बोरियां बिना किसी रोक-टोक के बिक रही हैं, जो साफ तौर पर कालाबाजारी का प्रमाण है । किसानों ने बताया कि सरकारी केंद्र पर पहले एक किसान को केवल 2 से 3 बोरी यूरिया दी जा रही थी और वह भी सीमित किसानों को । विरोध के बाद प्रशासनिक दबाव में मात्रा बढ़ाकर 10 बोरी की गई । कई किसान रात 2 बजे से पर्ची और दस्तावेज गेट पर रखकर लाइन में खड़े रहे, तब जाकर दोपहर तक कहीं खाद मिल जाए तो वह भी बड़ी बात हे ।

“नायब तहसीलदार कुलदीप सिंह ने बताया कि सुबह केंद्र पर किसानों की संख्या अधिक होने के कारण कुछ समय के लिए स्थिति बिगड़ी थी ।हालांकि अधिकारियों द्वारा समझाइश दिए जाने के बाद हालात पूरी तरह सामान्य हो गए हैं ।उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र पर यूरिया खाद की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है, लेकिन पहले खाद लेने की होड़ के चलते अव्यवस्था की स्थिति बनी ।उन्होंने बताया कि कृषि विभाग एवं संस्था के अधिकारियों की मौजूदगी में किसानों को लाइन में लगाकर टोकन प्रणाली के माध्यम से यूरिया खाद का वितरण किया जा रहा है। साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया कि आगे भी पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध रहेगी, इसलिए किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है ।– **कुलदीप सिंह**, नायब तहसीलदार, गौतमपुरा

चक्का जाम के दौरान पुलिस को किसानों को सड़क से हटाने के लिए सख्ती करनी पड़ी । हालात बिगड़ते देख गौतमपुरा पुलिस के जवान केन्द्र पर शाम 6 बजे तक तैनात किए गए, लेकिन किसानों का कहना है कि जब तक पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं आएगी, तब तक शांति संभव नहीं है ।

किसानों का कहना- राकेश धर्मेन्द्र परमार तलावली किसान बुवाई के निर्णायक समय में खाद संकट किसानों का कहना है कि यह समय फसल की बढ़वार के लिए सबसे अहम है । यदि समय पर यूरिया नहीं मिला तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा और नुकसान की भरपाई असंभव होगी । सरकारी दर और बाजार दर में भारी अंतर - सरकारी दर लगभग ?266 प्रति बोरी है, जबकि बाजार में ?400-450 तक वसूली जा रही है । यह अंतर सीधे किसान की जेब पर डाका है । एक दिन में सीमित किसानों को ही खाद देने से बाकी किसानों में असंतोष बढ़ रहा है, जिससे रोज विवाद और हंगामे की स्थिति बन रही है। रातभर लाइन में लगने को मजबूर किसान कई किसान दूर-दराज के गांवों से आकर रात 2 बजे से वेयरहाउस के बाहर बैठे रहे । किसानों के साथ अमानवीय व्यवहार है । निजी दुकानों पर 'नो रसीद, कैश सेल' किसानों का आरोप है कि निजी दुकानों पर बिना बिल के यूरिया बेचा जा रहा है, ताकि कालाबाजारी पकड़ी न जाए । संयुक्त निरीक्षण की मांग किसानों ने एसडीएम, तहसीलदार और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा निजी दुकानों और वेयरहाउस का संयुक्त निरीक्षण कर स्टॉक सार्वजनिक करने की मांग की है । किसानों ने प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि किसानों के साथ खुलेआम धोखाधड़ी की जा रही है । उन्होंने कहा कि सोसायटी में खाद आने के जो आंकड़े बताए जा रहे हैं, उनका कोई सार्वजनिक रिकॉर्ड नहीं है । यदि खाद आई है तो वह गया कहां? इसका जवाब प्रशासन को देना होगा । सरकारी वेयरहाउस खाली पड़े हैं और निजी दुकानों पर महंगे दामों पर यूरिया मिलना यह साबित करता है कि कालाबाजारी प्रशासनिक संरक्षण में चल रही है । उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एसडीएम और तहसीलदार तीन दिन के भीतर किसानों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं करते हैं।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

आतंक का दायरा! नफरत की भावना में डूबे लोगों को रोक पाना एक मुश्किल चुनौती

आतंकवाद का सामना करने के मकसद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस रणनीति के समांतर भिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सद्भाव और सहयोग के मानवीय मूल्यों को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है। हथियारों से लैस पिता और पुत्र ने बोंडी समुद्र तट के पास हनुका नामक कार्यक्रम के लिए जमा हुए यहूदी समुदाय के लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस के वहां पहुंचने पर हुई मुठभेड़ में एक हमलावर मारा गया और दूसरा घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। गनीमत यह रही कि वहां मौजूद एक अन्य साधारण व्यक्ति ने अपनी जान जोखिम में डाल कर एक बंदूकधारी पर हमला कर दिया और उसकी बंदूक छीन ली। इस तरह उसने कई लोगों की जान बचा ली। माना जा रहा है कि इस आतंकी घटना के पीछे हमलावरों के भीतर यहूदी विरोध की भावना थी। पिछले कुछ समय से आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी भावनाओं के जोर पकड़ने को लेकर चिंताएं जताई जा रही थीं। गौरतलब है कि विश्व भर में आतंकी वारदात की प्रकृति में बदलाव आया है और आतंकियों के भीतर आम नागरिकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके बावजूद आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक खास मौके पर ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगह पर एहतियाती सुरक्षा इंतजाम पुख्ता रखने की जरूरत नहीं समझी। यह सवाल इसलिए भी गंभीर है कि हाल के दिनों में आस्ट्रेलिया में कई स्तर पर नस्लीय आग्रहों के आधार पर हमले और विरोध के मामले सामने आते रहे हैं। यों भी, अपने नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर हर समय चाक-चौबंद इंतजाम रखना सरकार का दायित्व है, लेकिन सरेआम अंधाधुंध गोलीबारी की ताजा घटना से साफ है कि सरकार इसमें नाकाम हुई। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस हमले की निंदा हुई है और आस्ट्रेलिया की सरकार से लेकर मुस्लिम-अरब देशों की ओर से भी आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज किया गया है। मगर यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना और विरोध के बावजूद किसी समुदाय से नफरत की भावना में डूबे लोगों को रोक पाना एक मुश्किल चुनौती है। गौरतलब है कि इससे पहले इजराइल में लगभग इसी तरह के एक जमावड़े में हमास के आतंकवादियों ने यहूदी समुदाय के लोगों पर हमला किया था और उसमें बारह सौ से ज्यादा की मौत हो गई थी।

एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित, होगी तकनीकी शिक्षा में बढ़ोतरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूजीसी और एआईसीटीई जैसे निकायों की जगह उच्च शिक्षा नियामक निकाय स्थापित करने वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने बताया, प्रस्तावित विधेयक जिसे पहले भारत का उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) विधेयक नाम दिया गया था, अब विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक के नाम से जाना जाएगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित एकल उच्च शिक्षा नियामक का उद्देश्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) को प्रतिस्थापित करना है। एक अधिकारी ने बताया, विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण की स्थापना से संबंधित विधेयक को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। यूजीसी गैर-तकनीकी उच्च शिक्षा क्षेत्र की, जबकि एआईसीटीई तकनीकी शिक्षा की देखरेख करती है और एनसीटीई शिक्षकों की शिक्षा के लिए नियामक निकाय है। मेडिकल-लॉ कॉलेज दायरे में नहीं प्रस्तावित आयोग को उच्च शिक्षा के एकल नियामक के रूप में स्थापित किया जाएगा, लेकिन मेडिकल और लॉ कॉलेज इसके दायरे में नहीं आएंगे। पिछले कुछ वर्षों से, देश की उच्च शिक्षा प्रणाली उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) में वृद्धि से संतुष्ट है, जो उन्नत देशों और चीन के बाजार के साथ पकड़ने के लिए एक संघर्ष है। यह आंकड़ा 'जीईआर' है। अलग-अलग आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में भारत में यह लगभग 30 प्रतिशत है। चीन समेत कई विकसित देशों में यह आंकड़ा कभी भी 50-60 प्रतिशत को पार नहीं कर पाया है। हमने 2035 तक 50 तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है! ये आंकड़े इस बात को दर्शाते हैं कि हम 'विकास' की दौड़ में कितने पीछे हैं, लेकिन हम संतुष्ट हैं कि 2014 के बाद से उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और वास्तव में, जीईआर में केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।यह शोध का एक और टुकड़ा है। कहने की जरूरत नहीं है, इसका जवाब तेजी से निजीकरण हो रहे उच्च शिक्षा क्षेत्र में होगा।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि अधिक से अधिक छात्रों को उच्च शिक्षा की धारा में लाने के प्रयास किए जाने चाहिए, लेकिन छात्रों की संख्या में वृद्धि करते हुए उन्हें दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता का क्या होगा, और ऊपर बताए गए उच्च शिक्षा को सस्ता बनाने के प्रयासों का क्या होगा? वास्तविकता यह है कि उच्च शिक्षा प्रणाली इन सवालों के जवाब देने में हमेशा पीछे रही है। तदनुसार धन की गुणवत्ता और आवंटन की जिम्मेदारी उच्च शिक्षा प्रणाली को विनियमित करने के लिए सरकार द्वारा नियुक्त विभिन्न नियामकों की है। ऐसा नहीं है कि उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए हैं, जैसे प्रवेश प्रक्रिया, पारदशता, शैक्षिक संस्थाओं में शिक्षण और अनुसंधान का गुणवत्ता आवंटन , संकाय की भर्ती और कुलपतियों की नियुक्ति, उच्चतर शिक्षा का मानकीकरण, मूल्यांकन, गुणवत्ता निदान आदि।यह सच है कि अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, नियामकों ने नियमों की एक प्रणाली बनाना जारी रखा, जिसके कारण विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) के साथ पारंपरिक पाठ्यक्रमों, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के साथ पेशेवर तकनीकी पाठ्यक्रमों को समाप्त कर दिया गया। उदाहरण के लिए, एक शैक्षणिक संस्थान को इंजीनियरिंग या इसी तरह के पेशेवर तकनीकी डिग्री कार्यक्रमों के साथ-साथ अनुदान, संकाय भर्ती आदि शुरू करने और चलाने के लिए एआईसीटीई से संपर्क करना पड़ता है।यूजीसी के अनुसार शोध आदि किए जाने हैं। इसलिए, फार्मेसी और आर्किटेक्चर जैसे पाठ्यक्रमों के मानदंडों को पूरा करने के लिए, हमें संबंधित विषयों-फार्मेसी काउंसिल, आर्किटेक्चर काउंसिल के स्वायत्त शिखर सम्मेलनों में जाना होगा। कि एक नियामक का सरल शिक्षक-छात्र अनुपात दूसरे नियामक के समान नहीं है। इससे शिक्षण संस्थानों के लिए काफी समस्याएं पैदा होती हैं। संक्षेप में, शैक्षणिक संस्थानों की समय लेने वाली प्रकृति अनुमति प्राप्त करने और मानदंडों को पूरा करने की प्रक्रिया में निहित है। यदि हां, तो हम गुणवत्ता पर कब ध्यान देंगे? करीब डेढ़ दशक पहले यही सवाल उठा था और एक ही उच्च शिक्षा नियामक संस्था का विचार उठाया गया था। 2011 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने राज्यसभा में उच्च शिक्षा और अनुसंधान विधेयक पेश किया था, जिसमें यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई का विलय करके राष्ट्रीय उच्च शिक्षा और अनुसंधान परिषद के निर्माण की परिकल्पना की गई थी। तीन साल बाद, सत्ता में आई भाजपा सरकार ने राज्यसभा से विधेयक को वापस लेने और यूजीसी को मजबूत करने का फैसला किया। अब, वह भी एक तरफ गिर गया, और लगभग एक दशक बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल 2011 के उसी विचार के साथ सामने आया, जिसे 'विकसित भारत शिक्षा अधीक्षण विधेयक' के रूप में सामने लाया गया। इसका मुख्य कारण नीति में इस विचार पर जोर देना है। वास्तव में, यह विचार 2011 में और बाद में 2018 में उच्च शिक्षा परिषद के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन तब भी इसे छोड़ दिया गया था, मुख्य आपत्ति उच्च शिक्षा विनियमन के अधिक केंद्रीकरण की थी। नया विधेयक एक शीर्ष निकाय के तहत चार अलग-अलग प्रभागों की मांग करके केंद्रीकरण को संबोधित करना चाहता है: विनियमन, मूल्यांकन और मान्यता, शैक्षिक परिणाम और प्रमाणन, और वित्त पोषण। चूंकि शीर्ष निकाय एक एकल निकाय है, इसलिए शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग नियामकों से संपर्क करने की कोई आवश्यकता नहीं है। संक्षेप में, शीर्ष निकाय विनियमन से कानून और चिकित्सा पाठ्यक्रमों को बाहर करने के लिए एकल खिड़की सुविधा के रूप में कार्य करेगा और विषयों के स्वायत्त नियामक निकायों द्वारा विनियमित किया जाएगा। हालांकि नियामक निकायों के समेकन का स्वागत है, लेकिन नए शीर्ष निकाय की संरचना और इसमें नियुक्त नेतृत्व को दी जाने वाली स्वतंत्रता और पारदर्शिता पर स्पष्टता की प्रतीक्षा की जा रही है। विशेष रूप से , चुनाव आयोग जैसे स्वायत्त निकाय का सरकारीकरण, पाठ्यक्रम में कौन सी भाषा होनी चाहिए, पाठ्यक्रम की भाषा क्या होनी चाहिए, बच्चों की शिक्षा क्या होनी चाहिए, आदि। सीखने और सीखने के केंद्रीकरण को देखते हुए, आगामी नियामक के बारे में संदेह होना स्वाभाविक है। सवाल यह भी है कि क्या केंद्र और राज्यों की साझा सूची में शिक्षा जैसा विषय इस नियामक निकाय के बहाने आकलन से लेकर धन के वितरण तक के केंद्र के दावे से बंधा नहीं होगा।

- अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

अरे ओ भिया

ट्रैफिक जामः अव्यवस्था नहीं, जवाबदेही का संकट है

इंदौर की सड़कों पर रोज़-रोज़ लगने वाला ट्रैफिक जाम अब केवल सामान्य असुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा के नागरिक जीवन का ग्रहण बन चुका है। दफ्तर जाने में देरी, एम्बुलेंस का फँसना, विद्यार्थियों और बुजुर्गों की परेशानी—ये सब किसी एक कारण की देन नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित व्यवस्थागत चूकों और नागरिक अनुशासन के अभाव का परिणाम हैं। समाधान सभी चाहते हैं, परंतु इच्छाशक्ति और समन्वित कार्रवाई का अभाव आज भी सबसे बड़ी बाधा है।

जिम्मेदार कारण और संभावित समाधान

अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग: सड़कों को चौड़ा किया गया, पर दुकानों के बाहर फैला अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग उन्हें फिर संकरा कर देती है। नगर निगम और प्रशासन को नियमित, निष्पक्ष और निरंतर अतिक्रमण-रोधी अभियान चलाना चाहिए। साथ ही, वैध पार्किंग ज़ोन चिन्हित कर कठोर परिपालन अनिवार्य किया जाना चाहिए।

चौराहों पर अपर्याप्त प्रबंधन: कई प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल की कमी स्पष्ट दिखती है। जनप्रतिनिधियों को सरकार से आवश्यक बल की मंजूरी दिलाने के साथ, होम गार्ड्स व ट्रैफिक वॉलंटियर्स की मदद से पीक आवर्स में प्रबंधन सुदृढ़ करना चाहिए।

पीक अवर्स का दबाव: एक ही समय पर किसी एक क्षेत्र में संचालित दफ्तर, स्कूल और औद्योगिक इकाइयों का एक साथ छूटना जाम को जन्म देता है। कार्यालय समय में चरणबद्ध अंतराल (स्टैगर्ड टाइमिंग) लागू कर दबाव को संतुलित किया जा सकता है।

कमज़ोर सार्वजनिक परिवहन: सुगम, सस्ता और भरोसेमंद पब्लिक ट्रांसपोर्ट जाम का सबसे कारगर उपचार है। मिनी सिटी बसों को प्रोत्साहन, बस फ्रीक्वेंसी बढ़ाना, और ई-रिक्शा को बस स्टॉप से कॉलोनियों तक नियंत्रित परमिट देना आवश्यक है।

अपर्याप्त और अव्यवहारिक सिग्नल प्रणाली: टाइमर रहित या फिक्स-टाइम सिग्नल ट्रैफिक के घनत्व के अनुरूप नहीं होते। सभी चौराहों पर टाइमर सहित डायनेमिक सिग्नल लगाए जाएँ, जो रियल-टाइम ट्रैफिक के अनुसार समायोजित हों।

लेफ्ट टर्न का अवरोध: लेफ्ट टर्न पर अतिक्रमण और अव्यवस्था जाम को कई गुना बढ़ाती है। इन्हें सख्ती से मुक्त किया जाए और लेफ्ट टर्न की लंबाई पर्याप्त रखी जाए।

लेन अनुशासन का अभाव: लेन में न चलना जाम का बड़ा कारण है। प्रमुख चौराहों से कम-से-कम 500 मीटर पहले स्पष्ट लेन मार्किंग, संकेतक और कैमरा-आधारित चालान व्यवस्था लागू हो।

वैकल्पिक मार्गों की कमी: कुछ सड़कों पर अत्यधिक निर्भरता ट्रैफिक को जकड़ लेती है। वैकल्पिक मार्गों का निर्माण और मौजूदा गलियों का वैज्ञानिक उन्नयन आवश्यक है।

वाहनों की बढ़ती संख्या: प्रमुख चौराहों पर एलिवेटेड कॉरिडोर, अंडरपास और फ्लाईओवर का निर्माण दीर्घकालिक समाधान हो सकता है, बशर्ते उनकी योजना ट्रैफिक अध्ययन पर आधारित हो।

कुछ अतिरिक्त सुझाव: ● स्कूल बसों और भारी वाहनों के लिए अलग समय-सीमा। ● स्मार्ट पार्किंग ऐप और मल्टी-लेवल पार्किंग का विकास। ● सीसीटीवी और एआई-आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट। ● सड़क किनारे अवैध ठेलों के लिए वैकल्पिक वेंडिंग ज़ोन। ● नागरिक जागरूकता अभियान और सख़्त दंड—दोनों साथ-साथ।

ट्रैफिक जाम कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक शिथिलता और नागरिक अनुशासनहीनता का साझा परिणाम है। अब 'देखते हैं' का समय नहीं बचा, ठोस निर्णय, निरंतर कार्रवाई और जनसहभागिता ही शहर को जाम के अभिशाप से मुक्ति दिला सकती है।

-राजकुमार जैन, यातायात प्रबंधन विशेषज्ञ

आंचलिक

गड्ढे कर शराब दुकानों के रास्ते किए गए बंद

दैनिक इंदौर संकेत

निमरानी ●एबी रोड से लगी ग्राम मगरखेड़ी व ग्राम मुकुंदपुरा (ठीकरी बायपास) स्थित शराब दुकान की ओर जाने वाले मुख्य रास्तों को आबकारी विभाग ने जेसीबी से गड्ढे कर बंद कर दिया है। यह कार्रवाई नियमों के तहत करना बताया जा रहा है। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र की शराब दुकानों की दूरी राष्ट्रीय राजमार्ग से न्यूनतम 220 मीटर होना अनिवार्य है। साथ ही शराब दुकान का मुख्य मार्ग सीधे हाईवे से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जानकारी के अनुसार नियमों के उल्लंघन को देखते हुए आबकारी विभाग ने दोनों दुकानों के हाईवे से जुड़े रास्तों को अवरुद्ध किया ताकि शराब दुकान तक सीधी पहुंच रोकी जा सके। इस कार्रवाई के बाद मुकुंदपुरा स्थित दुकान तक जाने वाला रास्ता लगभग बंद हो गया है, लेकिन मगरखेड़ी शराब दुकान के मामले में नई समस्या सामने आ गई है। मगरखेड़ी में शराब खरीदने वाले लोग अब एक वैकल्पिक रास्ता अपना रहे हैं, जो सरकारी स्वास्थ्य केंद्र से होकर गुजरता है। यह मार्ग स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए सीधे शराब दुकान तक पहुंच रहा है। स्वास्थ्य केंद्र व शराब दुकान दोनों ही क्षेत्र अपेक्षाकृत एकांत में हैं।

इससे इस रास्ते पर आवाजाही को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र तक जाने वाला मार्ग मरीजों, महिलाओं व बच्चों के लिए सुरक्षित होना चाहिए। लेकिन इसी रास्ते से शराब दुकान तक पहुंच होने से असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित न रहे बल्कि वैकल्पिक रास्तों की भी निगरानी कर उचित व्यवस्था की जाए ताकि स्वास्थ्य केंद्र की गरिमा व आमजन की सुरक्षा बनी रहे।

रिश्वतखोर नगर पालिका अधिकारी को 3 साल की सजा, छनेरा में 15 हजार लेते लोकायुक्त ने दबोचा था

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●जिले के नगर परिषद छनेरा के राजस्व उपनिरीक्षक किशनलाल चेतमल को भ्रष्टाचार के मामले में 3 साल की जेल और 20 हजार रुपए का जुर्माना सुनाया गया है। यह फैसला खंडवा जिला कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) अरविंदसिंह टेकाम ने सुनाया। मामले की जांच लोकायुक्त इंदौर ने की थी। इस केस में करीब 6 साल बाद न्यायालय ने फैसला दिया। फरियादी आत्माराम, निवासी श्रीकृष्णपुरम कॉलोनी खंडवा, ने 2007 और 2014 में क्रमशः 400 वर्गफुट और 280 वर्गफुट के दो भूखंड खरीदे थे। मकान निर्माण के लिए नगर परिषद से प्लाट नामांतरण और अनुमति आवश्यक थी। 27 मार्च 2018 को उसने आवेदन दिया। किशनलाल चेतमल ने काम रोकने और शिकायत वापस कराने की कोशिश की। इसके बाद फरियादी ने सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर को शिकायत की। किशनलाल ने अनुमति देने के लिए 23 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।

लोकायुक्त की कार्रवाई में रंगेहाथ पकड़ाया

लोकायुक्त इंदौर ने 11 जून 2018 को फरियादी को नगर परिषद के कक्ष में भेजा। इस दौरान किशनलाल चेतमल ने फरियादी से 15 हजार रुपए की रिश्वत ली, जिसे लोकायुक्त ने रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी ने राशि अपनी पेंट की जेब में रखी थी। रंगेहाथ पकड़े गए मामले की प्रतिवेदन और चालान कोर्ट में पेश किया गया। अब कोर्ट ने आरोपी को 3 साल की जेल और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। इस निर्णय के बाद भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया गया है।

वनकर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण, डीएफओ की मौजूदगी में बताया- कौन से पेड़ कटेंगे और कैसे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● वन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष वन मंडल स्तरीय कूप सीमांकन, मार्किंग और वनों के विदोहन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाती है। इसी क्रम में सोमवार को नावरा रेंज की बीट मजगांव के कम्पार्टमेंट नंबर 288 में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वनकर्मियों को कूप का सीमांकन करने, वन क्षेत्र में कौन से पेड़ काटे जाएंगे और उन्हें कैसे काटा जाएगा, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। डीएफओ विद्याभूषण सिंह, नेपानगर एसडीओ विक्रम सुलिया, बुरहानपुर एसडीओ अजय सागर और उत्पादन वन मंडल बुरहानपुर की टीम ने वनकर्मियों को प्रशिक्षित किया। नेपानगर एसडीओ विक्रम सुलिया ने बताया कि सुबह 11 बजे से आयोजित इस प्रशिक्षण के दौरान डीएफओ की उपस्थिति में वनकर्मियों को वन मंडलीय स्तरीय कूप सीमांकन, मार्किंग और विदोहन की प्रक्रिया समझाई गई। मझगांव में हुए इस प्रशिक्षण में वनकर्मियों को प्रक्रिया का प्रदर्शन (डेमो) भी करके दिखाया गया। खकनार रेंजर के अलावा, उत्पादन वन मंडल बुरहानपुर से नंदकिशोर अग्निहोत्री ने फील्ड में प्रदर्शन के माध्यम से वन विदोहन की जानकारी दी। वन अधिकारियों के अनुसार, इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वन क्षेत्रों के भीतर और आसपास जल स्रोतों की सही पहचान, चिह्नांकन, सीमाओं का निर्धारण और वन भूमि के उचित उपयोग की जानकारी देना भी है। वन संरक्षण के लक्ष्य के साथ, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके क्षेत्र की मैपिंग की जाती है। इससे वन भूमि पर अतिक्रमण को रोकने और वन प्रबंधन को प्रभावी ढंग से संचालित करने में मदद मिलती है।

सड़क पर मिला जलता दीया, पर्ची में नाम, उपयंत्री पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष और नपा कर्मचारियों के खिलाफ तांत्रिक क्रिया का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● नेपानगर में शनिवार रात राजीव नगर में सड़क पर एक जलता हुआ दीया मिला। दीये में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश पटेल और नगर पालिका के कुछ कर्मचारियों के नाम लिखी पर्चियां पाई गईं। घटना के बाद प्रभावित लोगों ने नेपानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई और मामले की जांच की मांग की। उपयंत्री पर तांत्रिक क्रिया के लगाए आरोप शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह तांत्रिक क्रिया नगर पालिका के उपयंत्री प्रकाश बड़वाहे द्वारा कराई गई। आवेदन में बताया गया कि शनिवार रात करीब 11.30 बजे से 12 बजे तक राजीव नगर रेलवे स्टेशन चौराहे पर दीया जलाकर पर्चियों में नाम लिखे गए। शिकायत में कहा गया कि इससे मानसिक आघात पहुंचा और इसकी पूरी जिम्मेदारी उपयंत्री प्रकाश बड़वाहे की होगी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश पटेल के साथ उपयंत्री राजू गणेश कामले, उपयंत्री विजय सिंह कुश्वाह, नरेंद्र सिंह तंवर, भरत जाधव, पूर्व नगर पालिका कर्मचारी करण सिंह ठाकुर ने थाने में आवेदन दिया। गौरतलब है कि इससे पहले उपयंत्री प्रकाश बड़वाहे ने राजेश पटेल को जान से मारने की धमकी दी थी, जिसका ऑडियो वायरल भी हुआ था। इस धमकी के आधार पर नेपा थाने में पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इस मामले में प्रकाश बड़वाहे से चार बार संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

हकीमी अस्पताल का लाइसेंस सीएमएचओ ने किया निरस्त, हाईकोर्ट में अपील खारिज होने का दावा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● लालबाग रोड स्थित हकीमी अस्पताल के नर्सिंग होम का पंजीयन और लाइसेंस हाल ही में निरस्त किया गया था। यह कार्रवाई कलेक्टर की ओर से गठित जांच समिति की अनुशंसा पर सीएमएचओ डॉ. आरके वर्मा ने की थी। अस्पताल प्रबंधन ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जबलपुर में अपील की, लेकिन इसे लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। हकीमी अस्पताल के नर्सिंग होम का लाइसेंस कलेक्टर द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर निरस्त किया गया था। जांच एडीएम वीर सिंह चौहान ने की थी। जांच में अस्पताल में संसाधनों और सुविधाओं की कमी सहित नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई थी।

वकील बोले- हाईकोर्ट ने अपील खारिज की- इस मामले में वैष्णवी चौहान के परिवार की ओर से अधिकृत जबलपुर हाईकोर्ट के अधिवक्ता एमके त्रिपाठी ने कहा कि हकीमी अस्पताल की ओर से लगाई गई अपील खारिज हो गई है। उन्होंने कहा, अस्पताल का लाइसेंस हाईलेवल कमेटी की जांच के बाद सीएमएचओ ने निरस्त किया था। जांच में पाया गया कि अस्पताल में पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं नहीं थीं और नियमों का उल्लंघन किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. रेहाना बोहरा जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं और नर्सिंग होम भी चलाती हैं, इसी कारण उन्हें उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली।

अस्पताल संचालक का दावा- अपील खारिज नहीं हुई- वहीं, हकीमी अस्पताल के संचालक डॉ. मुफद्दल बोहरा ने अपील खारिज होने के दावे को गलत बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हमारे अस्पताल का लाइसेंस निरस्त किया गया। हमारे ऊपर एकपक्षीय कार्रवाई हुई थी। इसके बाद हम अपील के लिए हाईकोर्ट जबलपुर गए। हमें ऑप्शन दिया गया था कि आप मेरिट पर ऑर्डर कराना चाहते हैं या अपीलीय अथॉरिटी के पास जाना चाहते हैं।

दुकान खाली कराने व्यापारी 'चोर गैंग' लेकर पहुंचा :रात 2 बजे कटर से ताले तोड़े

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● बुधवारा बाजार में अपनी खरीदी हुई दुकान का कब्जा लेने के लिए एक व्यापारी ने चोरों की गैंग बना ली। वह 15 लोगों और एक पिकअप वाहन के साथ रात 2 बजे दुकान पर पहुंचा और कटर मशीन से ताले तोड़कर सामान खाली करवाने लगा। तभी मार्केट के चौकीदार ने देख लिया। पुलिस ने जांच के बाद दुकान मालिक विनायक उपाध्याय समेत 15 लोगों पर केस दर्ज किया है। विनायक सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला 70 लाख रुपए की दुकान के कब्जे से जुड़ा है। कोतवाली पुलिस की जांच में सामने आया कि मामला कब्जे का है। व्यापारी ने दुकान खरीदी थी, लेकिन उसे कब्जा नहीं मिल रहा था। दिन के समय विरोध होने के डर से उसने रात में दुकान पर कब्जा करने का प्लान बनाया। इसके लिए एक पिकअप वाहन भाड़े पर लिया और 15 लोग इकट्?ठे किए, ताकि दुकान के भीतर रखे सामान को बाहर निकालकर कब्जा लिया जा सके। थाना प्रभारी मनोज दवे ने जांच में पाया कि व्यापारी का कृत्य आपराधिक है।

69वीं राष्ट्रीय शालेय कराते स्पर्धा का डेली कॉलेज में हुआ शुभारम्भ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पाँच दिवसीय 69वीं राष्ट्रीय शालेय कराते क्रीडा प्रतियोगिता-2025 अंतर्गतअंडर 14 बालक/ बालिका वर्ग कराते प्रतियोगिता का आज डेली कॉलेज में रंगारंग शुभारम्भ हुआ। स्पर्धा के शुंभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश कराते संघ के अध्यक्ष चंदुराव शिंदे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी डॉ शांता स्वामी भार्गव ने की। इस दौरान डेली कालेज की प्राचार्य गुरमीत कोर, हरवर्धन सिंह,ऑब्जर्वर श्रीमती मुक्ता बब्बर, कराते इंडिया के सचिव विनय यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रतियोगिता का शुभारम्भ अतिथियों ने ध्वज फहराकर व दीप प्रजवलित कर किया। प्रारम्भ में शा. नेहरूनगर हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चंदुराव शिंदे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खिलाड़ियों मे आत्मबल विश्वास और तुरन्त निर्णय लेने की क्षमता होती है यह बात लोगो से खिलाड़ियों से ही सीखना चाहिए ताकि लोग तुरंत निर्णय कर सके।

स्पर्धा की संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शांता स्वामी भार्गव ने बताया कि यह प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता प्रचार- प्रसार समिति के सदस्य दिनेश परमार एवं अनुराग तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता में कराते स्पर्धा के 14 वर्षीय आयु वर्ग के बालक-बालिकाएं भाग लें रहें है वहीं इस स्पर्धा मे 29 प्रदेश की टीमे हिस्सा ले रही है और करीब 625 खिलाड़ी व कोच आफिशियल भाग लेगें । जिला शिक्षा अधिकारी की अगुवाई में हो रही इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों व कोच आफियलों को होटलो मे रूकया गया है और उनको स्पर्धा स्थान तक लाने ले जाने हेतु बसो की व्यवस्था की गई है ।

फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चा में कृतिका

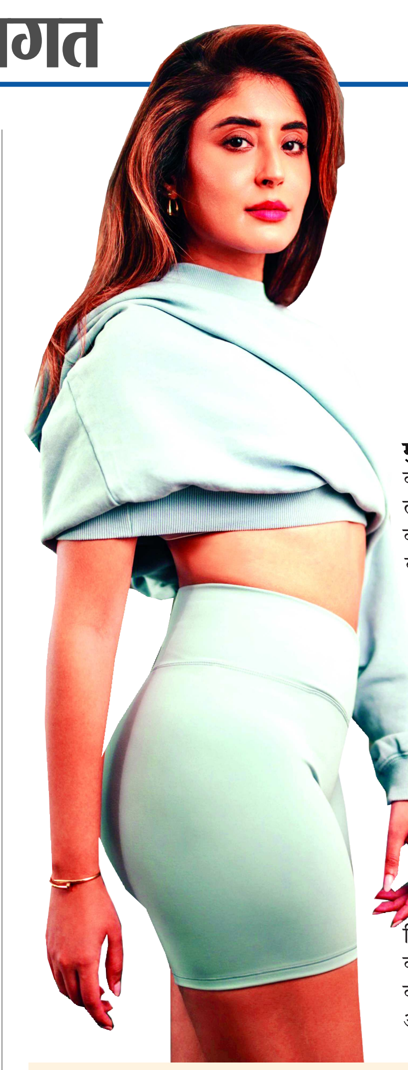

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा चर्चाओं में हैं। फिल्म में कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने अपना अनुभव साझा किया। एक इंटरव्यू में कृतिका ने कहा, शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था। उन्होंने कहा, किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है।

कृतिका ने कहा, दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे ये घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो। फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, श्र?या धनवंतरी, जूही बब?बर, शीबा चड्ढा और डॉली अहलूवालिया अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक दिन की कहानी है।

हॉकी इंदौर एसोसिएशन ने बैतूल टीम को 2-1 से पराजित कर अगले दौर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि 14 दिसंबर से नगर पलिका परिषद इटारसी द्वार स्थानीय मिनी गांधी स्टेडियम पर आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी स्पर्धा मे हॉकी इंदौर एसोसिएशन व हॉकी बैतूल टीम के बीच मैच खेला गया, जिसमें हॉकी इंदौर एसोसिएशन ने बैतूल टीम को 2-1 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया विजय टीम की ओर से पहला गोल मंयक कर्म ने किया , हाफ टाइम के बाद दूसरा गोल उमैर ने किया गोल कीपर सुदर्शन ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

खेल प्रतियोगिता में छाई पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • केंद्रीय क्रीडा एवं कला परिषद पावर मैनेजमेंट कंपनी जबलपुर के तत्वावधान में पोलोग्राउंड इंदौर स्थित सभागार में 47वीं अंतर क्षेत्रीय पावर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें पश्चिम क्षेत्र कंपनी के खिलाड़ी पहलवान छाए, इन्होंने एक तिहाई से ज्यादा पदक पर कब्जा किया। पुरस्कार वितरण पश्चिम क्षेत्र कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता कामेश श्रीवास्तव आदि की मौजूदगी में हुआ। पावर लिफ्टिंग 59 किग्रा में प्रथम सुरेंद्र पटेल, द्वितीय जफर आजमी भोपाल रहे, 66 किग्रा वर्ग में पृथ्वीराज चौहान इंदौर प्रथम, पुष्पराज चौधरी उज्जैन द्वितीय, 74 किग्रा में प्रथम नीरज चौहान उज्जैन, अंकुर गुप्ता इंदौर द्वितीय, 83 किग्रा में प्रथम शैलेंद्र श्रीवास भोपाल, इंद्रकुमार चौधरी द्वितीय चचाई, 93 किग्रा में प्रथम विशाल वर्मा इंदौर, द्वीतीय रोहित दुबे जबलपुर, 105 किग्रा में प्रथम दिनेश मेवाड़ा सारणी, दूसरा अनिल चौधरी उज्जैन, 120 किग्रा में प्रथम अफजल अब्बासी सिंगाजी, दूसरा वरूण डामोरद्वइंदौर विजेता रहे। बॉडी बिल्डिंग में शार्ट ग्रुप में प्रथम पृथ्वीराज चौधरी इंदौर, दूसरा अमित हटवारे सिंगाजी, मिडिल ग्रुप प्रथम नितिन चौहान इंदौर, दूसरा नारायण पांचाल सिंगाजी , टॉल ग्रुप प्रथम नीरज चौहान उज्जैन, दूसरा मनोहर धनगर सिंगाजी, सुपर टॉल में प्रथम संदीप मार्य इंदौर, द्वितीय सुनील पटेल सारणी, संदीप मौर्य इंदौर विद्युत श्री एवं शैलेन्द्र श्रीवास स्ट्रांग मैन से भी सम्मानित हुए। उभरते खिलाड़ी का पुरस्कार सुरेंद्र पटेल इंदौर एवं संदीप मौर्य को दिया गया। प्रबंध निदेशक सिंह व अन्य अतिथियों ने दूर-दूर से आए निर्णायकों का भी आयोजन की सफलता में अहम भूमिका निभाने पर अभिनंदन किया।

'शहज़ादी है तू दिल की' में मेरा किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर - आशिका

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री आशिका पादुकोण का कहना है कि स्टार प्लस के शो 'शहज़ादी है तू दिल की' में उनका निभाया दीपा का किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है। स्टार प्लस का नया शो 'शहज़ादी है तू दिल की 'लगातार दर्शकों के दिलों को छू रहा है, और इसके असर का एक बड़ा कारण आशिका पादुकोण द्वारा निभाया गया दीपा का भावुक किरदार है। दिल टूटने, ज़िम्मेदारियों और मजबूती के बीच जूझती एक मां की भूमिका निभा रहीं आशिका ने हाल ही में अपने किरदार और उसे पर्दे पर उतारते वक्त जुड़ी इमोशनल बातों को लेकर खुलकर बात की। आशिका ने दीपा की मानसिक स्थिति पर बात करते हुए कहा कि उनका किरदार मजबूत और आत्मनिर्भर है, लेकिन भावनात्मक सहारे की उम्मीद में वह कहीं न कहीं नाजुक भी है। उन्होंने कहा कि दीपा आत्मनिर्भर है, लेकिन कहीं न कहीं उसे उम्मीद थी कि भानु ज़िम्मेदारी निभाएगा। जब वह उम्मीद टूटती है, तो वह उसे अंदर से तोड़ देती है। मैंने उसी विश्वासघात, निराशा और बेबसी की भावना को महसूस किया, खासकर यह जानते हुए कि वह अपनी बेटी के भविष्य के लिए यहां तक आई है, और यही उनकी परफॉर्मेंस की भावनात्मक नींव को दर्शाता है।

उज्जैन संभाग

लैंड पूलिंग के विरोध में भाजपा विधायक भी करेंगे प्रदर्शन, कालूहेड़ा ने अपनी ही सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •मध्य प्रदेश सरकार द्वारा उज्जैन में लैंड पूलिंग एक्ट लागू कर किसानों से जमीन लेकर कुंभ नगरी बनाने की योजना के लगातार हो रहे विरोध के बीच अब भाजपा विधायक ने भी अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल कर 26 दिसंबर को होने वाले किसानों के प्रदर्शन का समर्थन करते हुए लैंड पूलिंग का विरोध करते हुए सीएम को पत्र लिखा है। मध्य प्रदेश सरकार की गले की हड्डी बनते जा रही लैंड पूलिंग योजना को लेकर उज्जैन उत्तर से भाजपा के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा में किसानों का समर्थन कर लैंड पूलिंग योजना का विरोध किया है। उन्होंने सोमवार को सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर एक्ट वापस नहीं लेने पर किसानों के साथ आंदोलन में शामिल होने की चेतावनी दी है। लैंड पूलिंग योजना को वापस लेने की घोषणा के बाद सिर्फ संशोधन करने से नारज हुए किसानों ने भारतीय किसान संघ के बैनर तले 18 जिलों के 217 पदाधिकारियों ने रविवार को बैठक कर 26 दिसंबर से प्रशासनिक संकुल भवन पर अनिश्चित कालीन घेरा डालो आंदोलन की घोषणा की थी। सिंहस्थ क्षेत्र उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा के विधानसभा क्षेत्र का ही हिस्सा है।

सीएम को लिखा पत्र, किसानों के प्रदर्शन में साथ रहूंगा

विधायक कालूहेड़ा ने सीएम को पत्र में लिखा कि शासन ने सिंहस्थ के दृष्टिगत लैंड पूलिंग योजना का मैंने भी समर्थन किया था। 17 नवंबर को भोपाल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल,किसान संघ की आपकी उपस्थिति में हुई बैठक में निर्णय लिया था कि लैंड पूलिंग एक्ट वापस लिया जाता है।इस पर किसान संघ ने उज्जैन में एक उत्सव रैली की थी, जिसमें मैं भी शामिल हुआ। बाद में प्रशासन,प्रेस एवं किसान संघ से पता चला कि लैंड पूलिंग यथावत हैं।इस कारण किसान संघ ने 26 दिसंबर को एक्ट के विरोध में आंदोलन का निर्णय किया है। अत: मैं किसानों के हित ओर उनके सम्मान में आंदोलन में सम्मिलित रहूंगा।आप से आग्रह है कि किसानों के हित में उचित निर्णय करेंगे। मेरी यह भी मांगें हैं कि आज तक सिंहस्थ भूमि पर जो रहवासी बस गए हैं, उन्हें अवासीय प्रयोजन का लाभ मिले एवं उक्त भूमि को सिंहस्थ यूज से फ्री की जाए और पिपलिनाका क्षेत्र की 3 सड़कों के चौड़ीकरण पर पुन: विचार किया जाए।

18 से किसानों का बड़े प्रदर्शन की चेतावनी

17 नवंबर को सरकार ने किसानों से बात कर लैंड पूलिंग एक्ट निरस्त की घोषणा की तो किसानों ने रद्द कर दिया था। किंतु 19 नवंबर को सरकार ने लैंड पूलिंग निरस्त की जगह संशोधन आदेश जारी कर दिया। इस पर लैंड पुलिंग से प्रभावित 17 गांव में किसानों ने खेतों में भगवा रंग के झंडे लगाए और एक्ट को वापसी के बजाय संशोधन से किसानों ने फिर घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन की तैयारी कर ली।

शिप्रा को अशुद्ध बताने पर पुजारी महासंघ नाराज, कहा- मां शिप्रा राजनीति चमकाने का हथियार नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • अपनी राजनीति चमकाने और सरकार पर दबाव डालने के लिए कोई भी मां शिप्रा के जल को अशुद्ध और अपवित्र बताता है, लेकिन ऐसे लोग यह नहीं जानते कि इससे मां शिप्रा में आस्था रखने वाले करोड़ों धर्मावलंबियों की आस्था को आखिर किस प्रकार ठेस पहुंचती है। पुजारी महासंघ ने इसी भ्रांति को दूर करने के लिए आज रामघाट मां शिप्रा के तट पर न सिर्फ मां शिप्रा का पूजन अर्चन किया, बल्कि इस जल का आचमन कर यह संदेश भी दिया कि मां शिप्रा का जल पवित्र है। इसका आचमन करने से मन के विकार व स्नान करने से दूषित पुंज दूर होते हैं। जिसका उल्लेख शास्त्रों में भी है। यह बात पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित महेश शर्मा ने मीडिया से कही।

शिप्रा तट पर पुजारी महासंघ द्वारा रविवार सुबह पूजा अर्चना किए जाने के साथ ही यह संदेश दिया गया कि हमारे सभी तीर्थ पावन और पवित्र हैं। कुछ लोग पवित्र स्थलों को बदनाम करने का काम कर रहे हैं और वह क्षिप्रा, प्रयाग, हरिद्वार की गंगा, नासिक की गोदावरी नदी की शुद्धता और पवित्रता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। जो अशोभनीय है और सनातन धर्म की पवित्र नदियों का अपमान हैं। यह अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिंहस्थ के दौरान शिप्रा के 29 किलोमीटर के क्षेत्र में घाटों का पक्का निर्माण किया जा रहा है। सिंहस्थ में सभी अखाड़ों को अलग-अलग घाटों पर स्नान करवाना चाहिए जिससे कि इस उत्सव की भव्यता और दिव्यता बढ़ जाए।

पहले किया पूजन फिर किया घाटों का निरीक्षण- सनातन धर्मावलंबियों को क्षिप्रा नदी के पौराणिक महत्व और पवित्रता को बताने के लिए अखिल भारतीय पुजारी महासंघ द्वारा आज सुबह मां क्षिप्रा का दुग्धधारा से भव्य अभिषेक पूजन किया गया। इस पूजन पश्चात क्षिप्रा के पवित्र जल का आचमन किया गया। पूजा महाआरती के पश्चात कर्कराज घाट, भूखी माता घाट, गुरुद्वारा घाट, दत्त अखाड़ा घाट के बाद चक्रतीर्थ तक भ्रमण किया गया। पुजारी महासंघ ने घाटों का निरीक्षण कर ऐसे अव्यवस्थाओ को निकाला जिसे सरकार को अवगत करवाया जाएगा। जिस पर ध्यान देने से सिंहस्थ में भक्तो को सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

13 अखाड़ों का अलग-अलग 13 स्थानों पर हो स्नान- पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित महेश शर्मा ने बताया कि सिंहस्थ में ऐसी कार्ययोजना बनाई जाए जिससे सरकार की मंशा अनुरूप सिंहस्थ दिव्य और भव्य रूप से निर्विघ्न संपन्न हो सके। इन दिनों मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 29 किलोमीटर के जो घाट स्थापित किए जा रहे हैं, वहां सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 13 स्थानों पर स्नान की व्यवस्था हो, जैसे शैव दल के अखाड़ों को दत्त अखाड़ा क्षेत्र से लेकर त्रिवेणी तक के घाटों पर और रामादल दल के अखाड़ों को मंगलनाथ क्षेत्र के घाटों पर स्नान की व्यवस्था की जाए, जिससे भीड़ नियंत्रण में सरकार को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी, रामघाट पर केवल शंकराचार्य जी के स्नान की व्यवस्था की जाए।

चाइनीज मांझे पर पुलिस की सख्ती, 30 हजार की 47 रील जब्त कर पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •उज्जैन में पतंगबाजी के दौरान इस्तेमाल हो रहे चाइनीज मांझे से लोगों की जान को खतरे में डालने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। मुखबिर से मिली सूचना पर नीलगंगा थाना पुलिस ने रविवार शाम पांच लोगों को पकड़ा और उनके कब्जे से करीब 30 हजार रुपए कीमत की 47 रील चाइनीज मांझा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला और उनसे उठक-बैठक भी लगवाई। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कान पकड़कर आगे से चाइना धागा नहीं बेचने की कसम भी खाई। नीलगंगा थाना प्रभारी तरुण कुरील ने बताया कि शिवांश एलियंस बिल्डिंग के पीछे चाइनीज मांझा रखे जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मनीष कुकरेजा, हर्ष बारोड़ और एक अन्य को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 24 रील चाइनीज मांझा बरामद किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह मांझा उन्होंने देसाई नगर निवासी प्रताप तोमर और महाकाल सिंधी कॉलोनी निवासी निखिल निहाल चंदानी से खरीदा था। जानकारी के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे से 23 रील चाइनीज मांझा जब्त किया। इस तरह 47 रील चाइनीज मांझा बरामद किया गया।

प्रशासन ने लगाया है प्रतिबंध- चाइनीज मांझे से हर साल हो रहे हादसों को देखते हुए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। प्रशासन ने पहले से ही चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध लगा रखा है। पुलिस का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा बेचने या इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दरगाह पर गूंजा हनुमान चालीसा पाठ, शिष्यों के साथ पहुंचे थे संत, कमेटी बोली- चादर चढ़ान व कव्वाली की अनुमति दी थी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शिप्रा नदी किनारे स्थित मौलाना मौज दरगाह परिसर में हनुमान चालीसा पाठ करने का मामला सामने आया है। इसमें एक संत अपने शिष्यों के साथ दरगाह परिसर में बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मौलाना मौज दरगाह कमेटी ने इस पर आपत्ति जताई है। कमेटी का कहना है कि उनसे कव्वाली और चादर चढ़ाने की अनुमति ली गई थी, लेकिन हनुमान चालीसा पाठ की जानकारी नहीं दी गई थी। हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची। दरगाह कमेटी के उपाध्यक्ष इरफान अहमद के मुताबिक, तीन दिन पहले हनुमान अष्टमी पर 'बाबा बम-बम भोले' नाम के एक संत ने दरगाह पर चादर चढ़ाने की अनुमति मांगी थी। साथ ही कव्वाली कराने की बात भी कही गई थी। धार्मिक स्थल पर सभी समुदायों के लोगों के आने को देखते हुए कमेटी ने चादर चढ़ाने की अनुमति दे दी।

न्यूज़ ब्रीफ

अवैध रूप से लाई जा रही 75 पाव देशी मदिरा और दो पहिया वाहन जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को आबकारी उपनिरीक्षक श्री आशीष जैन वृत्त मालवामिल अ की टीम के द्वारा लालाराम नगर पर एक दो पहिया वाहन पर परिवहन कर ले जाई जा रही 75 पाव देशी मदिरा बरामद की गई। बरामद मदिरा को वाहन सहित जप्त कर आरोपी अजय पिता मोहन लाल लिखारिया निवासी भगीरथ पूरा इंदौर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क के तहत प्रकरण पंजीबध्द किया गया। जप्त मदिरा व वाहन का कुल बाज़ार मूल्य लगभग 87950/- रुपए है।

हर बस्ती और मंडल में हिंदू सम्मेलन करेगा संघ समरसता पर फोकस

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष पर प्रदेशभर में हिंदू सम्मेलन करने जा रहा है। ये सम्मेलन 20 दिसंबर से शुरू हो जाएंगी, जो 20 जनवरी 2026 तक होंगे। इसको लेकर संघ ने मध्य भारत प्रांत में संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रदेश की हर बस्ती और हर मंडल में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। हिंदू सम्मेलन के माध्यम से संघ हर वर्ग तक संघ और हिंदुत्व का संदेश पहुंचाएगा। संघ फोकस सामाजिक समरसता पर केंद्रित रहेगा। मध्यभारत प्रांत का संगठनात्मक विस्तार व्यापक है। इस प्रांत में कुल 8 विभाग, 31 जिले, 137 खंड और 1814 मंडल हैं। इसके अंतर्गत 16 हजार 568 ग्राम, 37 महानगरीय नगर, 45 अन्य नगर और 775 बस्तियां आती हैं। संघ का लक्ष्य है कि इन सभी इकाइयों में सम्मेलन कर सामाजिक सहभागिता को मजबूत किया जाए।

नया अवसर : डीएवीवी ने फिर खोला पंजीकरण लिंक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जून-2024 में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले पीएचडी अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने गैर-डीईटी पीएचडी प्रवेश के लिए पंजीकरण लिंक दोबारा खोल दिया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उस निर्देश के बाद लिया गया है, जिसमें पीएचडी प्रवेश के लिए नेट की वैधता अवधि 12 माह से बढ़ाकर 14 माह कर दी गई है। इस बदलाव से वे अभ्यर्थी सीधे लाभान्वित होंगे, जो पहले की समय-सीमा से कुछ ही सप्ताह चूक गए थे।

अभ्यर्थियों के लिए यह विस्तार एक नया अवसर लेकर आया है, क्योंकि अब उन्हें अगले प्रवेश चक्र का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जून-2024 में नेट उत्तीर्ण करने वाले,

जिनका परिणाम 17 अक्टूबर को घोषित हुआ था, अब जारी गैर-डीईटी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में पंजीकरण के पात्र हो गए हैं। पूर्व में 12 माह की वैधता के कारण कई उम्मीदवार समय-सीमा से बाहर हो गए थे, लेकिन संशोधित नियमों से उन्हें साक्षात्कार, गाइड आवंटन और उपलब्ध शोध सीटों तक फिर से पहुंच मिल सकेगी। डीएवीवी ने सीमित अवधि के लिए पंजीकरण लिक पुनः सक्रिय किया है, जिससे सैकड़ों नेट -योग्य अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा रिसर्च एडवाइजरी कमेटी के साक्षात्कार लगभग 5 जनवरी के आसपास आयोजित किए जाने की संभावना है। सफलतापूर्वक पंजीकरण करने वाले अभ्यर्थियों को इन साक्षात्कारों के लिए बुलाया जाएगा, जहां उनके शोध प्रस्ताव, अकादमिक तैयारी और विषयानुसार गाइड की उपलब्धता का मूल्यांकन किया जाएगा।

588 सीटें हैं उपलब्ध

गैर-डीईटी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत 21 विषयों में कुल 588 सीटें उपलब्ध हैं। कुछ विषयों, जैसे- अंग्रेजी, भूगोल, अर्थशास्त्र और वनस्पति विज्ञान में सीटें सीमित हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा कड़ी रहने की संभावना है, वहीं प्रबंधन और वाणिज्य विषयों में अभ्यर्थियों को अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि पिछले प्रवेश चक्र में इन विषयों की कई सीटें रिक्त रह गई थीं। विस्तारित पात्रता अवधि से इस बार सीटें खाली रहने की संभावना कम हो सकती है। पीएचडी सेल के प्रभारी डॉ. तिवारी ने बताया कि पंजीकरण लिक यूजीसी के संशोधित नियमों के अनुसार ही दोबारा खोला गया है।

वेस्ट कपड़ों से धागा निकालकर फिर कपड़ा बनाएगा निगम

ट्रेंचिंग ग्राउंड पर तैयार होगा प्लांट; जानवरों को दफनाने की जगह मॉडर्न तरीके से जलाएंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में अब वेस्ट कपड़ों को धागा निकालकर रीयूज किया जाएगा। इतना ही नहीं मृत पशुओं को देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में दफनाने की जगह मॉडर्न तरीके से जलाया जाएगा। इसके लिए दो अलग-अलग प्लांट बनाए जा रहे हैं। दोनों का आज महापौर भूमि पूजन करेंगे।

नगर निगम इंदौर स्वच्छ भारत मिशन के तहत पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर शहर में कचरा प्रबंधन के लिए कई अत्याधुनिक प्लांट स्थापित किए हैं। इनमें बायो-सीएनजी/ मेथनाइजेशन प्लांट, एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) प्रमुख हैं। थ्री-आर कलेक्शन सेंटर एवं 'नेकी की दीवार' के माध्यम से बड़ी मात्रा में एकत्रित हो रहे अनुपयोगी कपड़ों के वैज्ञानिक एवं स्थायी निपटान हेतु वेस्ट क्लॉथ प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव स्वच्छ भारत मिशन विभाग द्वारा पीपीपी मॉडल पर तैयार किया गया है। इस प्लांट के माध्यम से अनुपयोगी कपड़ों को प्रोसेस कर धागा तैयार किया जाएगा, जिससे उनका पुनः उपयोग संभव हो सकेगा। पीपीपी मॉडल के तहत बनने वाला यह प्रोजेक्ट 2 करोड़ से ज्यादा का खर्च आएगा। एमएस ह्यूमन मैट्रिक्स सिक्योरिटी 20 वर्षों तक प्लांट का संचालन करेगी। 1लाख 75 हजार प्रति माह नगर निगम को देगी।

लाड़ली बहनों पर अनर्गल टिप्पणी करने पर मंत्री विजय शाह से कांग्रेसियों ने की इस्तीफे की मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शह कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री एवं प्रदेश राजीव विकास केंद्र के मीडिया प्रभारी नितीश भारद्वाज के नेतृत्व में आज अर्जुन पुरा जमना नगर एवं अन्य स्थानों पर लाडली बहनों को लेकर धमकी देने वाले प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह से इस्तीफे की मांग को लेकर विजय शाह के फोटो युक्त पोस्टर हाथों में लेकर जन जागरण अभियान चलाकर आंदोलन किया गया। यादव ने कहा है कि इसके पहले मंत्री विजय शाह ने गत मई महीने में एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कर्नल सोफिया कुरेशी जी को कथित तौर पर आतंकवादियों की बहन बताया था उनकी इस टिप्पणी का काफी विरोध पूरे देश एवं प्रदेश में हुआ था। इस पर मंत्री विजय शाह पर एफआईआर तक दर्ज हुई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक

गया था मगर पार्टी एवं भाजपा सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की यादव ने कहां हैं कि इस पर भाजपा संगठन ने उन्हें अनावश्यक बयानबाजी ना करने की नसीहत दी थी मगर कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने अब प्रदेश की लाडली बहनों को धमकी देने वाली बात कही है रतलाम में गत दिनों सरकार के 2 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में योजनाओं की समीक्षा के लिए बोर्ड की बैठक में विजय शाह ने कहा कि अगर सरकार लाडली बहनों को करोड़ों रुपए दे रही है तो उन्हें मुख्यमंत्री का सम्मान करने के लिए आना चाहिए जो सम्मान करने नहीं आएंगी उनकी जांच करा देंगे। यादव ने कहा है कि जिन लाडली बहनों का भाजपा को सम्मान करना चाहिए वह उन्हें मंत्री विजय शाह अपमानित कर रहे हैं पहले देश की गौरव कर्नल सोफिया कुरेशी पर ओछी टिप्पणी और अब प्रदेश की माता बहनों को धमकी यह भाजपा एवं सरकार का असली चाल चरित्र चेहरा उजागर हो गया है। और भाजपा की कुंठित और महिला विरोधी मानसिकता उजागर हो गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को लाडली बहनों को लेकर धमकी देने वाले मंत्री विजय शाह को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए अन्यथा कांग्रेस पार्टी जन आंदोलन चलाएंगी।

खराब खाने की शिकायत के लिए टोलफ्री नंबर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में खाने की खराब क्वालिटी की शिकायत करने के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा ने टोल फ्री नंबर जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा कि उपभोक्ता अब दो टोल फ्री नंबरों 0731-181 और 0755-2840621 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि इन नंबरों पर कॉल कर उपभोक्ता खाद्य पदार्थों में मिलावट, गुणवत्ता में कमी, निर्धारित मानकों के उल्लंघन या किसी भी तरह की अनियमितता की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि इंदौर भोजन और स्ट्रीट फूड संस्कृति के लिए

प्रसिद्ध शहर है। इसलिए हर जगह पर उपभोक्ताओं को उचित मानक और उच्च गुणवत्ता वाला खाद्य पदार्थ मिलना चाहिए। इसी उद्देश्य से शहर के हर स्ट्रीट वेंडर को उचित गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ट्रेनिंग, जागरुकता कार्यक्रमों और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

ईट राइट चैलेंज-4 डैशबोर्ड की वर्तमान स्थिति के अनुसार इंदौर पूरे देश मे प्रथम स्थान पर है। इसके पूर्व भी ईट राइट चैलेंज-1 एवं ईट राइट चैलेंज-3 में भी इंदौर पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा है। स्वस्थ्य की शर्तों के अनुरूप हाई रिस्क प्रतिष्ठानों का प्राथमिकता से निरीक्षण किया जा रहा है। 1 जुलाई 2025 से अब तक कुल 576 निरीक्षण किये गए तथा कुल 1392 नमूने जांच के लिए लिए गए। दूध एवं दुग्ध उत्पाद के कुल 236 नमूने लिए गए हैं। संबंधित आरोपियों पर केस दर्ज किए गए हैं। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी।

आईपीएस अफसर के प्रमोशन की डीपीसी 19 दिसंबर को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में आईपीएस अफसर की पदोन्नति प्रक्रिया के लिए विभाग की पदोन्नति समिति डीपीसी को बैठक 19 दिसंबर को होगी। इसमें डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी रैंक के महत्वपूर्ण प्रमोशन प्रस्ताव पर चर्चा करके निर्णय लिया जाएगा। डीजे पद के लिए 1994 और 1995 बैच के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एडीजी रैंक के अधिकारियों की डीपीसी होगी। डीथी के पदों पर रिटायरमेंट के साथ ही इन अफसरों को क्रमवार प्रमोशन दिया जाएगा। वही एडीजी आईजी और 2008 बैच के दो डीआईजी अफसर के नाम पर विचार किया जाएगा। यह सभी 1 जनवरी को प्रमोट होंगे साथ ही 2010 से 2012 तक की आईपीएस की डीआईजी पद के लिए डीपीसी भी होगी। प्रमोशन प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने तैयारी कर ली है। डीपीसी के बाद प्रदेश में शीर्ष पुलिस स्तर पर बड़े बदलाव देखने के लिए मिल सकते हैं।

एडीजी, आईजी, डीआईजी के लिए इन नाम पर विचार-आईजी से एडीसी के लिए साल 2001 के आईजी जबलपुर प्रमोद वर्मा, डीआईजी के लिए शेयास ए और ललित शाक्यवार पर चर्चा होगी। वहीं एसपी से डीआईजी के लिए साल 2010 बैच के राकेश सगर, आर एस बेलबंशी, किरण लता केरकेट्टा, मनोज राय 2011 बैच के रियाज इकबाल, राहुल लोढ़ा, शिमाला प्रसाद, असित यादव जबकि 2012 के विवेक सिंह, कुमार प्रतीक, शिवदयाल, मयंक अवस्थी, शैलेंद्र सिंह चौहान आलोक कुमार सिंह रघुवंश सिंह विकास पाठक के नाम पर विचार किया जाएगा।

आईएएस अवार्ड दिलाने वाले सहयोगियों पर नहीं आंच!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● ब्राह्मण बेटियों को लेकर असभ्य टिप्पणी करने वाले आईएएस अधिकारी और अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा के विरुद्ध कार्रवाई के लिए राज्य सरकार ने केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय को लिखा है। इसमें संतोष द्वारा आईएएस संवर्ग में आने के लिए किए गए फर्जीवाड़े का ब्यौरा दिया गया है। लेकिन वर्मा को आईएएस अवॉर्ड दिलाने में सहयोगी रहे आईएएस अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों पर अभी तक कोई आंच नहीं आई है। सरकार ने ऐसे लोगों पर न तो कोई कार्रवाई की है और न ही नोटिस दिया है।

किसी सहयोगी पर ठोस कार्रवाई नहीं

संतोष वर्मा की बहाली से लेकर आईएएस अवॉर्ड तक अफसरों और जनप्रतिनिधियों का भरपूर सहयोग मिला। हैरानी की बात यह है कि फर्जी दोषमुक्ति आदेश सामने आने, जांच में गड़बड़ी उजागर होने और शिकायतों के बावजूद इन अधिकारियों और नेताओं पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वर्मा का नाम 2019 में आईएएस में पदोन्नति के लिए शामिल था, तब उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज था। इसके बाद भी उनका नाम अनंतिम रूप से शामिल किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि अपराध दर्ज था तो नाम अलग करना था। तब राज्य के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस थे। वे विभागीय पदोन्नति समिति के भी अध्यक्ष थे। वर्मा ने 8 अक्टूबर 2020 को न्यायालय का एक आदेश विभाग में पेश किया। जिसमें उन्हें दोषमुक्त किए जाने का उल्लेख था। इस आदेश पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंदौर से अपील में जाने के संबंध में राय मांगी। जवाब में कथित रूप से तत्कालीन लोक अभियोजक की राय का हवाला देकर अपील में जाने से मना किया।

गौरतलब है कि संतोष वर्मा का सेवाकाल विवादों भरा रहा है। उनको आईएएस अवार्ड भी गलत तरीके से हुआ है। अब संतोष वर्मा प्रकरण ने प्रशासनिक व्यवस्था की उस परत को उजागर कर दिया है, जहां एक नहीं बल्कि पूरा तंत्र सवालों के घेरे में है। विवाद की जड़ केवल पूर्व आईएएस वर्मा नहीं, बल्कि वे 21 कद्दावर आईएएस अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी हैं, जिनकी सहमति और मौन समर्थन से वर्मा को भारतीय प्रशासनिक सेवा का अवॉर्ड मिला और बाद में निलंबन के बावजूद बहाली तक का रास्ता साफ हुआ।

किसी भी मामले की पूरी जांच नहीं-संतोष वर्मा के फर्जीवाड़े और विवादों को हमेशा अनदेखी किया जाता रहा है। उनके किसी भी मामले की पूरी जांच नहीं की गई। 12 दिसंबर को केंद्रीय कार्मिक विभाग को राज्य द्वारा भेजे गए पत्र में लिखा है कि तत्कालीन समय में दोषमुक्ति के सत्यापन के लिए इंदौर जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा था। इसका जवाब कार्यालय पुलिस महानिदेशक इंदौर जोन से मिला। अब विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि जब निचले स्तर के अधिकारी को पत्र लिखा था तो जवाब वरिष्ठ स्तर के अधिकारी द्वारा क्यों दिया गया? इसकी भी जांच होनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना था कि जब मामला संदिग्ध था और शिकायतकर्ता ने दोष मुक्ति वाले पत्र को झूठा करार दिया था तो सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल की कार्मिक शाखा के तत्कालीन अधिकारियों ने पुलिस के कहने पर जिला लोक अभियोजक से राय क्यों मांगी, उक्त पत्र की पुष्टि कोर्ट के रजिस्ट्रार से कराई जानी थी। इसके पीछे, मंशा देखनी चाहिए। तत्कालीन पुलिस महानिदेशक इंदौर जोन और तत्कालीन जिला लोक अभियोजक के पत्र को सही मानते सामान्य प्रशासन विभाग के कार्मिक शाखा के अधिकारियों और राज्य के तत्कालीन मुख्य सचिव ने 16 अक्टूबर 2020 को वर्मा की संनिष्ठा प्रमाणित कर केंदीय कार्मिक विभाग को पत्र भेजा और 6 नवंबर 2020 को उन्हें आइएएस अवार्ड हो गया। इसके बाद 28 अप्रैल 2021 को हर्षिता अग्रवाल ने तत्कालीन मुख्य सचिव को शिकायत की। फिर जांच हुई तो इंदौर पुलिस की राय पर कोर्ट का आदेश फर्जी मिला। वर्मा को निलंबित किया गया, जांच अधिरोपित की लेकिन जांच की कछुआ चाल कभी नहीं बढ़ाई। तब तक वर्मा ने कैट में निलंबन आदेश को चुनौती दी और बहाल हो गए।

ईओडब्ल्यू को झटका, डीएचआई इन्फ्राबुल संचालकों पर दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर हाईकोर्ट से रोक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बंधक प्लाट बेचने के मामले में ईओडब्ल्यू व डीएचएल इन्फ्राबुल इंटरनेशनल प्रालि के संचालकों के खिलाफ केस दर्ज किया था। शिकायत क्रमांक 266/2025 की जांच के बाद यह केस दर्ज किया गया था। लेकिन अब इस मामले में एजेंसी को झटका लगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

इस मामले में तीन आरोपी डायरेक्टर संतोष सिंह, संजीव जायसवाल और अनिरूद्ध देव है। हाईकोर्ट में देव की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल और जयेश गुरनानी ने पैरवी की गई। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि कंपनी के डायरेक्टर में एक अधिवक्ता है जो प्रोफेशनल डायरेक्टर थे। कंपनी में लॉ के अनुसार प्रोफेशनल डायरेक्टर दैनिक प्रबंधन में शामिल नहीं होंगे। न ही इसके लिए जिम्मेदर होंगे। ऐसे में अगली सुनवाई तक दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई जाती है।

ईओडब्लू की एफआईआर में यह था

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ मुख्यालय भोपाल में पंजीबद्ध शिकायत क्रमांक 266/2025 के सत्यापन पर यह कार्रवाई हुई DHL इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के संचालकों संतोष कुमार सिंह, संजीव और अनिरुद्ध के खिलाफ बंधक संपत्ति

को गलत तरीके से विक्रय करने का मामला पाया गया। इस पर EOW मुख्यालय भोपाल द्वारा अपराध धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी में अपराध पंजीबद्ध किया गया। ईओडब्ल्यू एसपी रामेशवर यादव द्वारा मामले की गहन जांच कराई जा रही है।

इन तीनों को बनाया था आरोपी

डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रालि के संचालकगण (1) संतोष कुमार सिंह पिता शिवप्रसाद सिंह, डायरेक्टर, डीएचएल इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रालि, 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर (2) संजीव पिता अशोक जायसवाल, डायरेक्टर, डी.एच.एल. इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रालि, 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर (3) अनिरुद्ध पिता मधुकर देव, डायरेक्टर, डीएचएल इन्फ्राबुल इंटरनेशनल प्रा0लि0, 301, मेगापेलिस टॉवर, 579, एम.जी. रोड, इंदौर एवं अन्य

इतने प्लाट बेचे गए

ईओडब्ल्यू केस में यह था कि आरोपी कंपनी DHL इन्फ्राबुल्स इंटरनेशनल प्रा0लि0 के संचालक मंडल ने आईकॉनस लैण्डमार्क-01 और आईकॉनस लैण्डमार्क-02 के 249 भूखण्ड बंधक रखे थे। ये भूखण्ड कॉलोनी सेल इंदौर में विकास के बदले रखे गए थे। शासन में बंधक रखे गए भूखंडों का स्वामित्व कॉलोनी सेल / शासन का है।

कंपनी द्वारा बंधक भूखंड को मुक्त नहीं किया गया था। आरोपीगणों ने शासन के स्वामित्व के 15 बंधक भूखंड बेचे। ये भूखंड बिना अपर कलेक्टर, कॉलोनी सेल से प्रमाण पत्र प्राप्त किए बेचे गए। विक्रय अन्य पक्षकारों को रजिस्टर्ड किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।